मालवा फर्स्ट

MALWA FIRST

स्वाभिमान ही हमारा अभिमान है

Periodicity- Weekly

RNI NO. MPHIN38290 (TC)

संपादक : ऐश्वर्य शर्मा

नीमच, बुधवार

18 दिसम्बर 2024

वर्ष - 02, अंक - 33 - मूल्य 02 रूपए

E-mail: nmh.pawan@gmail.com

Contact: 9407423966, 8770664866

Commodity: Gold 79,325 Silver 96,500 Crude Oil 5,963 Natural Gas 302.20 Aluminium 232.30 Copper 827.35

वन नेशन-वन इलेक्शन बिल : वोटिंग के दौरान अनुपस्थित सांसदों को भाजपा का नोटिस, पार्टी ने पहले ही जारी किया था व्हिप

नई दिल्ली । लोकसभा में मंगलवार को वन नेशन-वन इलेक्शन बिल पेश कर दिया गया। बिल पर वोटिंग के दौरान भाजपा के कई सांसद सदन में मौजूद नहीं थे। अब पार्टी ने ऐसे सांसदों को नोटिस जारी करने का फैसला किया है।

दरअसल लोकसभा में वन नेशन-वन इलेक्शन से जुड़ा बिल पेश होने के बाद वोटिंग होनी थी। भाजपा ने तीन लाइन का व्हिप जारी कर अपने सांसदों को सदन में उपस्थित रहने को कहा था।

लेकिन बावजूद इसके भाजपा के 20 से ज्यादा सांसद वोटिंग के दौरान उपस्थित नहीं थे।

पक्ष में पड़े थे 269 वोट - लोकसभा में कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने यह बिल पेश किया था। बिल पर स्पीकर ओम बिरला ने पहले इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग कराई। तब बिल के पक्ष में 220 और विपक्ष में 149 वोट पड़े। इसके बाद विपक्षी सांसदों ने विरोध करना शुरू कर दिया। तब दोबारा पर्ची से वोट डाले गए। इस बार बिल के पक्ष में 269 वोट और विपक्ष में 198 वोट पड़े। हालांकि बिल को फिर जेपीसी के पास चर्चा के लिए भेज दिया गया।

दो तिहाई बहुमत की जरूरत - लोकसभा में एनडीए के पास 292 सीटें हैं। संविधान संशोधन के लिए दो तिहाई बहुमत की जरूरत होती है। इसलिए बिल को पास कराने के लिए 362 सांसदों के समर्थन की जरूरत पड़ेगी।

वहीं राज्यसभा में एनडीए के पास 112 सांसद हैं। यहां दो तिहाई बहुमत के लिए 164 सांसदों के समर्थन की जरूरत पड़ेगी। सरकार चाहती है कि बिल पर सभी दलों की एक राय बनाई जा सके। यही वजह है कि बिल को जेपीसी के पास भेजा गया है।

वैक्सीनेशन ने बचाई लोगों की जान, साइड इफेक्ट से मौत पर केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट में दिया ये जवाब

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में एक मामले की सुनवाई के दौरान कहा कि कोविड-19 एक भयंकर आपदा थी और वैक्सीनेशन से लोगों की जान बची है। यह जवाब तब दाखिल किया गया है, जब सुप्रीम कोर्ट में वैक्सीन की वजह से दो महिलाओं की मौत से जुड़ी एक याचिका दाखिल की गई थी।

इस केस की सुनवाई जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस पीबी वराले कर रहे थे। सुप्रीम कोर्ट में केंद्र का प्रतिनिधित्व करते हुए एडिशनल सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने कहा कि कोविड महामारी एक ऐसी आपदा थी, जो आज से पहले कभी नहीं देखी गई।

माता-पिता ने लगाई है याचिका - इस पर याचिकाकर्ता के वकील कोलिन गोंसाल्विस ने कहा कि हम इस विषय पर चर्चा नहीं कर रहे हैं। हमें इस पर असहमति भी नहीं है। आपको बता दें कि सुप्रीम कोर्ट में दो महिलाओं के माता-पिता ने याचिका दाखिल की है। उनका आरोप है कि कोविशील्ड के पहले डोज के बाद महिलाओं में गंभीर साइड इफेक्ट देखने को मिले। सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि सुप्रीम अदालत ने पहले ही कोविड वैक्सीनेशन पर गहन चर्चा की थी और एईएफआई को लेकर आदेश पारित किया था।

कोविड एक आपदा - भाटी ने कहा, 'यह संतुलन का मामला है। कोविड एक आपदा थी। वैक्सीनेशन से महामारी के दौरान लोगों की जान बची है। हमारे पास एक नियामक तंत्र है।' इस पर बेंच ने कहा कि अदालत ने याचिका पर ध्यान दिया है, हमें तय करना ही होगा। सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने एक याचिका पर केंद्र को अगस्त 2022 में ही नोटिस जारी किया था और सरकार का हलफनामा रिकॉर्ड पर है। हालांकि गोंसाल्विस ने ध्यान दिलाया कि मामले को विस्तृत रूप में देखने की जरूरत है।

एमपी में वेतनवृद्धि के लिए आंदोलन शुरू, हजारों कर्मचारी भोपाल आए, मंत्रियों के बंगलों के सामने बैठेंगे भूखे

भोपाल । मध्यप्रदेश में वेतनवृद्धि के लिए हजारों कर्मचारी लामबंद हो गए हैं। मंगलवार को राजधानी भोपाल में प्रदेशभर के अंशकालिक, अस्थाई और आउटसोर्स कर्मचारियों ने आंदोलन शुरु किया है। ग्राम पंचायतों में चौकीदार, भृत्य, रसोइए आदि का काम कर रहे इन कर्मचारियों ने आदेश जारी होने तक मंत्रियों के बंगलों के सामने भूखे बैठे रहने का ऐलान किया है। कर्मचारियों ने पंचायत मंत्री प्रहलाद पटेल के बंगले पर भी प्रदर्शन किया। प्रदेशभर से आए कर्मचारी शाहजहांनी पार्क में इकट्ठा हुए और बाद में श्रम मंत्री, शिक्षा मंत्री और आदिवासी कल्याण मंत्री से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। ऑल डिपार्टमेंट आउटसोर्स एवं अस्थाई कर्मचारी संयुक्त मोर्चा के

तत्वाधान में कर्मचारियों का कहना है कि सरकार उन्हें तत्काल नियमित कर वेतनवृद्धि करे। मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष वासुदेव शर्मा ने कहा कि चौकीदार, पंप आपरेटर जैसे हजारों अंशकालिक कर्मचारी दो दशकों से काम कर रहे हैं। उन्हें महज 3-4-5 हजार रुपए वेतन दिया जाता है। आज तक किसी मंत्री ने इनसे बात तक नहीं की। अब ये सभी कर्मचारी तब तक मंत्रियों के बंगलों के सामने बैठेंगे, जब तक उनका हक दिलाने का वादा नहीं किया जाता। राज्य की 23 हजार ग्राम पंचायतों के कर्मचारी इस आंदोलन में शामिल हैं। पंप आपरेटर, भृत्य, सफाई कर्मियों, रसोइयों आदि के भोपाल आ जाने से अधिकांश गांवों में सफाई व्यवस्था चरमरा गई और पेयजल सप्लाई भी प्रभावित हुई। छात्रावासों की भोजन व्यवस्था भी प्रभावित हुई है।

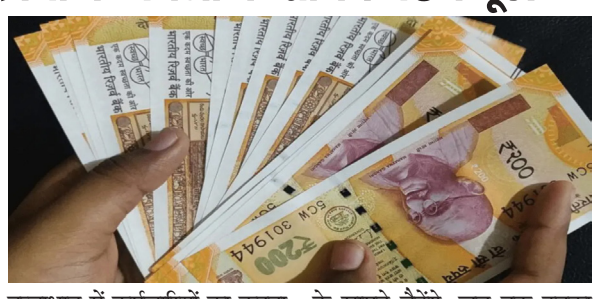

नए साल में MPPSC कराएगा 15 परीक्षाएं

भोपाल । मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग ने साल 2025 के लिए सोमवार को संभावित परीक्षा कार्यक्रम जारी कर दिया है। कैलेंडर के मुताबिक, आयोग अगले साल 15 परीक्षाएं आयोजित करवाएगा। इसमें राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा सबसे पहले फरवरी में होगी और मुख्य परीक्षा जून में प्रस्तावित है। इसके अलावा 27 विषयों के लिए सहायक प्राध्यापक परीक्षा-2024 के साथ ही संस्कृति विभाग के पद भरने के लिए विभिन्न परीक्षाएं ली जाएगी। इंटरव्यू के लिए अलग से सूची जारी होगी।

निजी स्कूलों के लिए फीस वृद्धि पर नया नियम लागू, अलग से नहीं ले सकेंगे बस फीस

भोपाल 17 दिसम्बर (एजेंसी)। राज्य सरकार प्रदेश के निजी स्कूलों को बड़ी राहत देने जा रही है। अब ऐसे स्कूल जिनकी किसी भी कक्षा के लिए वार्षिक फीस 25 हजार रुपये से कम है, वे फीस नियंत्रण अधिनियम के दायरे में नहीं आएंगे। यदि ऐसे स्कूल 15 प्रतिशत से अधिक फीस वृद्धि करते हैं तो इसके लिए पहले जिला समिति से अनुमति लेनी होगी। ऐसा नहीं करने पर अधिनियम के प्रविधान के अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

वाहन शुल्क वार्षिक फीस में होगा शामिल - कोई भी स्कूल परिवहन (बस) फीस भी अब अलग से नहीं ले सकेगा। इसे भी वार्षिक फीस का ही भाग माना जाएगा। सरकार ने मंगलवार को यह प्रविधान मध्य प्रदेश निजी विद्यालय अधिनियम-2024 में संशोधन के लिए प्रस्तुत विधेयक में किए हैं। सदन से विधेयक पारित होने के बाद राज्यपाल मंगुभाई पटेल की अनुमति मिलने पर प्रविधान प्रभावी होंगे।

प्रदेश के आधे स्कूलों में वार्षिक फीस 25 हजार से कम - प्रदेश में 34,652 निजी स्कूल हैं। इनमें से लगभग 16 हजार ऐसे हैं, जिनकी किसी भी कक्षा में वार्षिक फीस 25 हजार रुपये या इससे कम है। मध्य प्रदेश निजी विद्यालय अधिनियम-2017 के तहत वर्ष 2020 में नियम बनाए गए। इसके प्रविधान अनुसार सरकार को यह अधिकार दिया गया कि वह निजी स्कूलों की फीस और अन्य विषयों पर निर्णय लेकर फीस विनियमन कर सकेगी।

10 फीसदी तक बिना अनुमति के बढ़ाई जा सकती है फीस - 10 प्रतिशत वार्षिक फीस बिना अनुमति के बढ़ाई जा सकती है लेकिन अधिक वृद्धि के लिए जिला समिति की अनुमति लेना आवश्यक है। स्कूल 25 हजार रुपये तक फीस लेने वाले स्कूलों को शिक्षकों के वेतन सहित अन्य व्यवस्थाओं के लिए वित्तीय प्रबंधन में परेशानी होती है।

25 हजार रुपये वार्षिक फीस वाले स्कूलों को छूट - यदि दस प्रतिशत वृद्धि करते हैं तो अभिभावकों पर अधिक भार नहीं पड़ता है, इसलिए नई उपधारा प्रस्तावित की गई है कि 25 हजार रुपये वार्षिक फीस लेने वाले स्कूल अधिनियम के दायरे से बाहर रहेंगे।

बढ़ाने पर आपत्ति की अपील सुनने मंत्री की अध्यक्षता में समिति अधिनियम में यह संशोधन भी प्रस्तावित किया गया है कि वार्षिक फीस में 15 प्रतिशत से अधिक वृद्धि के आदेश के विरुद्ध अपील सुनने के लिए राज्य स्तरीय समिति होगी। इसके अध्यक्ष स्कूल शिक्षा मंत्री रहेंगे।

निजी स्कूलों से जुड़े नए नियम

- 2024 में मध्य प्रदेश निजी विद्यालय अधिनियम में संशोधन।
- निजी स्कूलों को फीस वृद्धि में राहत देने का निर्णय।
- 25 हजार रुपये तक फीस वाले स्कूलों को राहत मिली।
- MP के 34,652 निजी स्कूलों में से 16 हजार स्कूलों की फीस 25 हजार रुपये या इससे कम है
- 15% से अधिक फीस वृद्धि के लिए जिला समिति अनुमति।
- परिवहन फीस अब वार्षिक फीस का हिस्सा माना जाएगा।
- स्कूलों को परिवहन फीस अलग से नहीं ले सकेंगे।
- फीस वृद्धि पर राज्य स्तरीय समिति में अपील की व्यवस्था।
- जिला समिति से अनुमति न लेने पर कार्रवाई की जाएगी।

इसके साथ ही यह प्रविधान भी किया जा रहा है कि परिवहन फीस स्कूलों की वार्षिक फीस का भाग होगा। अभी स्कूल इसे वार्षिक फीस से अलग लेते हैं और इसमें वृद्धि भी अधिक होती है। इससे वार्षिक फीस नियंत्रित रहेगी।

फीस बढ़ाने की शिकायत सुनने बनेगी समिति - फीस

इस समिति को यह अधिकार रहेगा कि वह विभागीय समिति द्वारा किसी स्कूल पर लगाए गए अर्थदंड को घटा या बढ़ा सकेगी। उल्लेखनीय है कि प्रदेश में पहली बार निर्धारित फीस से अधिक लेने के कारण कई स्कूलों पर कार्रवाई करते हुए अधिक फीस अभिभावकों को लौटाई गई है।

लोकसभा और विधानसभा के उपचुनाव ने मध्य प्रदेश में बिगाड़ा भर्ती परीक्षाओं का शेड्यूल... अब आगे क्या होगा

भोपाल । प्रदेश में रिक्त सरकारी पदों पर भर्ती या कृषि सहित अन्य संकायों में प्रवेश के लिए परीक्षा कराने की जिम्मेदारी मप्र कर्मचारी चयन मंडल (ईएसबी) की है। सरकार ने रिक्त पद चिह्नित कर भर्ती के लिए मंडल को जिम्मेदारी सौंप दी थी। मंडल ने परीक्षा का संभावित कार्यक्रम भी जारी कर दिया था। आवेदन भी जमा हो गए थे, लेकिन दिसंबर तक होने वाली सभी प्रस्तावित परीक्षाएं अभी तक नहीं हो पाई हैं। इसका पूरा शेड्यूल लोकसभा

के साथ सीहोर और श्योपुर जिले में विधानसभा के उपचुनाव के कारण गड़बड़ा गया। सरकार ने समूह-5 के लिए कुछ और पद स्वीकृत करने की जानकारी दी, जिसके कारण दिसंबर में प्रस्तावित परीक्षा अब अगले साल जनवरी में कराई जाएगी।

पांच माह में छह परीक्षाएं कराईं

- ईएसबी के अधिकारियों का कहना है कि लोकसभा सहित उपचुनाव होने के बावजूद भी इस साल चार प्रवेश और दो भर्ती परीक्षाएं कराई जा चुकी हैं। इसमें 10 लाख से अधिक अभ्यर्थियों ने भाग लिया था।
- चूंकि ईएसबी सभी परीक्षाएं ऑनलाइन कराता है, इसके लिए कंप्यूटर व्यवस्था वाले परीक्षा केंद्र भी नहीं मिलने के कारण परीक्षाएं नहीं हो पाईं। इसके अलावा नीट सहित अन्य परीक्षाएं होने के कारण भी यहां की परीक्षाएं नहीं हो पाईं।
- ईएसबी अपनी परीक्षाएं एजुक्विटी करियर टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड कंपनी से ही कराना चाहता है। वर्तमान में ईएसबी की परीक्षाएं कराने के लिए कोई नियमित कंपनी का चयन नहीं किया गया है, जो ईएसबी की सभी शर्तों को पूरी करती हो।

नीमच में परिधान निर्माण उद्योग में 400 स्थानीय लोगो को मिला रोजगार

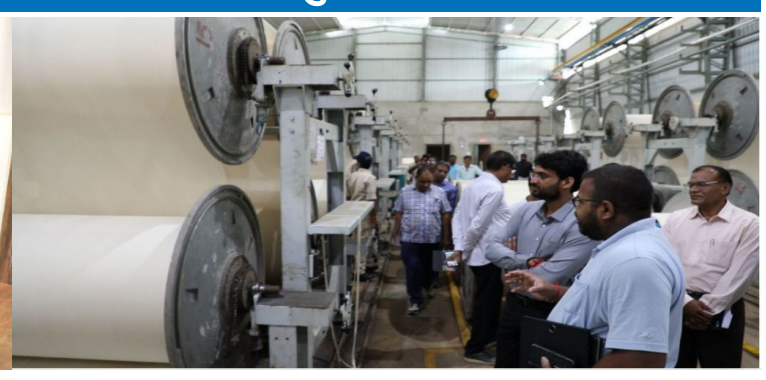

बदल रहा है, नीमच जिले का औद्योगिक परिदृश्य नवीन औद्योगिक निवेश को मिल रहा है बढ़ावा

औद्योगिक क्षेत्र झांझरवाड़ा में 400 करोड़ के निवेश से प्रारंभ हुआ वस्त्र निर्माण उद्योग

नीमच । जिला मुख्यालय नीमच के औद्योगिक क्षेत्र झांझरवाड़ा में म.प्र.शासन द्वारा सर्वसुविधायुक्त औद्योगिक क्षेत्र विकसित किया गया है। इस औद्योगिक क्षेत्र में नवीन उद्योग स्थापित करने के लिए अनेक निवेशक आगे आ रहे है। मेसर्स स्वराज सुटिंग्स प्रा.लि.द्वारा 400 करोड़ का पूंजी निवेश कर औद्योगिक क्षेत्र झांझरवाड़ा (नीमच) में कपड़ा एवं परिधान निर्माण की नवीन इकाई स्थापित की गई है। इस नवीन औद्योगिक ईकाई में नीमच जिले के लगभग 400 स्थानीय लोगो को रोजगार मिल रहा है। भविष्य में इस औद्योगिक ईकाई में 300 अतिरिक्त लोगो को रोजगार मिलेगा । स्वराज सुटिंग्स प्रा.लि.की वस्त्र निर्माण ईकाई में काम करने वाले ग्राम सोनियाना के आकाश बैरागी ने बताया, कि पहले वह मण्डी में काम करता था, इस उद्योग के बारे में पता चला, तो वह इसे देखने आया और फिर इसी उद्योग में काम करने लगा, धीर-धीरे काम सीखकर अब वह इसी उद्योग में मेंटनेंस कर्मी के रूप में काम कर रहा है और उसे अच्छा मानदेय मिल रहा है। इस वस्त्र निर्माण ईकाई में आसपास के गांव धामनिया, सोनियाना, झांझरवाड़ा, महुडिया के अनेको स्थानीय युवक, युवतियों को रोजगार मिला है।

महाप्रबधंक उद्योग श्री अमरसिह मौरे ने बताया, कि नीमच जिले के औद्योगिक कलस्टर सगराना में 3400 करोड़ के पूँजी निवेश से मेसर्स गोल्जक्रस्ट सीमेंट प्रा.लि.द्वारा सीमेंट उद्योग स्थापित किया जा रहा है। सीमेंट निर्माण यूनिट में 1700 लोगों को रोजगार मिलेगा। नीमच के समीपस्थ ग्राम जेतपुरा में मेसर्स धानुका बायोटेकएथनाल द्वारा 300 करोड़ की लागत से एथेनाल प्लांट स्थापित कर उत्पादन प्रारंभ कर, दिया गया है। इस प्लांट में 200 स्थानीय लोगो को रोजगार मिल रहा है ।

नीमच जिले के ग्राम बामनबर्डी में मेसर्स ओसवाल सिलीयम प्रा.लि. द्वारा एथेनाल प्लांट स्थापित किया जा रहा है। मेसर्स विश्वेश्वरिया डेनिम प्रा.लि.द्वारा औद्योगिक क्षेत्र झांझरवाड़ा में 135 करोड़ के पूंजी निवेश से कपड़ा एवं परिधान निर्माण उद्योग लगाया जा रहा है। इसमें 500 लोगों को रोजगार मिलेगा।

मेसर्स सुविधी रैयांस द्वारा ग्राम मोरवन में 600 करोड़ के पूंजी निवेश से टेक्सटाईल इण्डस्ट्रीज प्रस्तावित है। इसमें 2500 लोगों को रोजगार मिलने की सम्भावना है। ग्राम सोनियाना में मेसर्स सोनियाना टेक्सटाईल्स द्वारा 90 करोड़ का पूंजी निवेश कर टेक्सटाईल उद्योग लगाया जा रहा है। इसमें 500 लोगों को रोजगार मिलेगा।

मेसर्स बाबजी इंडस्ट्रीज नीमच द्वारा चीताखेडा में 60 करोड़ का पूंजी निवेश कर इंटीग्रेटेड मेन्युफेक्चरिंग (सीमेंट पेवर ब्लॉक, टॉयस आदि) निर्माण उद्योग स्थापित किया गया है। इसमें लगभग 200 लोगों को रोजगार मिलने की संभावना है।

नीमच में औद्योगिक निवेश के लिए पर्याप्त भूमि उपलब्ध - नीमच जिले में औद्योगिक निवेश के लिए पूर्व एमएसएमई मंत्री श्री ओमप्रकाश सखलेचा के प्रयासों से नीमच जिले में कुल 451.148 हेक्टेयर भूमि नवीन उद्योगो के लिए आरक्षित कर, जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र नीमच के पास उपलब्ध है। इसके साथ ही औद्योगिक केंद्र विकास निगम के अधीन कुल 135.34 हेक्टेयर भूमि उपलब्ध है।

नीमच जिले के नयागांव में (जावद) 0.836 हेक्टेयर, चेनपुरा (नीमच) 55.420 हेक्टेयर, बामनबर्डी(नीमच) 67.28 हेक्टेयर, ग्राम जाट(सिंगोली) 181.799 हेक्टेयर, जनकपुर(जावद) में 3.62 हेक्टेयर, जगेपुर हाडा(जावद) 21.143 हेक्टेयर, ग्राम दारू एवं सेमार्डा(नीमच) नीमच में 55.16 हेक्टेयर, ग्राम सगराना(नीमच) में 57.48 हेक्टेयर एवं सगराना (नीमच) में 8.41 हेक्टेयर भूमि औद्योगिक निवेश के लिए उपलब्ध है। साथ ही यहां भूमिगत जल एवं विद्युत ग्रिड एवं विद्युत लाईन की भी उपलब्धता है। मुख्य सड़क राजमार्ग से उक्त सभी स्थानों की दूरी लगभग एक से 5 कि.मी. के बीच है।

औद्योगिक केंद्र विकास निगम के अधीन ग्राम सोनियाना (नीमच) में 63.080 हेक्टेयर, गोठा (जावद) में 4.000 हेक्टेयर, मोरवन(जावद) में 50.000 हेक्टेयर, बासनिया(रामपुरा) 18.26 हेक्टेयर भूमि उपलब्ध है।

Email: nmh.pawan@gmail.com
Contact: 9407423966, 8770664886

उस्ताद जाकिर हुसैनः एक संगीत साधक

दिलीप कुमार पाठक

महान लोगों की महान बातें जाकिर हुसैन साहब को कोई उस्ताद कहता तो असहज हो जाते थे, और बड़ी शालीनता के लिए कहते - भाई मैं उस्ताद नहीं हूं मुझे आप जाकिर या जाकिर भाई कहो उस्ताद कभी बनना भी नहीं चाहूंगा, मैं हमेशा शागिर्द बनकर रहना चाहता हूं '

महान तबला वादक जाकिर हुसैन साहब को ब्लड प्रेशर की परेशानी के कारण अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को के एक हस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उन्होंने आखिरी साँस ली ' कुछ दिन पहले ही उन्हें हार्ट की दिक्कत भी हुई थी। महान तबला वादक उस्ताद जाकिर हुसैन साहब का अमेरिका में निधन होने की खबर आने के बाद पूरे मुल्क में शोक छा गया ' जाकिर हुसैन साहब जैसी शख्सियतें युगों में कभी जन्म लेती हैं ' उस्ताद जाकिर हुसैन साहब का जाना सचमुच एक युग का अंत हो जाना है ' जाकिर हुसैन अपने आप में संगीत का एक युग थे ' ये हिंदुस्तान का बहुत बड़ा नुकसान है ' पीढ़ियां इस बात पर सीना चौड़ा करेंगी कि ऐसा पुष्प हिन्द के आँगन में उगा था, जिसके संगीत की खुशबू से पूरी दुनिया महकती है ' ऐसा कोई व्यक्ति नहीं जो जाकिर हुसैन साहब की थापों पर फि दा न हुआ हो ' जैसे आज आश्चर्य होता है कि सुर सम्राट तानसेन क्या भारत में ही पैदा हुए थे? आने वाले दौर में बच्चे गर्व करेंगे कि महान तबला उस्ताद हमारे वतन के थे '

तब ही तो साहित्यकार शायर ध्रुव गुप्त उस्ताद जाकिर हुसैन साहब की महान शख्सियत को याद करते हुए कहते हैं -

-कभी बारिश, कभी तूफां, कभी बिजली की कड़क
वो उंगलियां थीं कि कुदरत का करिश्मा थीं, हुजूर !

उस्ताद जाकिर हुसैन अक्सर कहा करते हैं कि भारतीय शास्त्रीय संगीत स्टेडियम के लिए नहीं है, बल्कि यह कमरे का संगीत है। हालांकि ये भी सच है शायद ही कोई देश बचा हो, जहां जाकिर हुसैन साहब ने अपना शो नहीं किया और श्रोताओ को अपनी कला का दीवाना ना बनाया हो। उस्ताद जाकिर हुसैन मशहूर तबला वादक कुरैशी अल्ला रक्खा खान के पुत्र थे ' अल्ला रक्खा खान भी तबला बजाने में माहिर माने जाते थे। जाकिर हुसैन जब अपनी उंगलियों और हाथ की थाप से तबला बजाते थे तो मंत्रमुग्ध कर देते थे । उनके तबले के सुर को सुन लोग मदहोश हो जाते हैं और कहते हैं वाह उस्ताद। हालांकि टेलीविजन पर आता ताज चाय का विज्ञापन भी उन्हें नई पीढ़ी में खासा लोकप्रिय बनाता था ' आज अधिकांश लोग उस स्लोगन

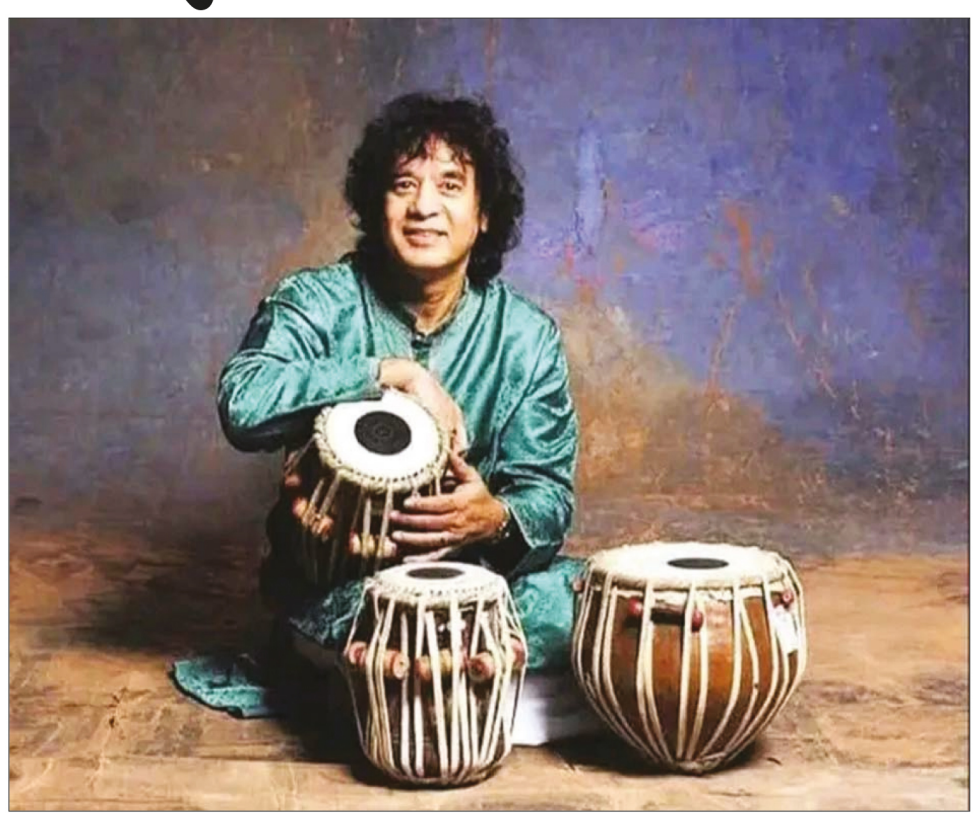

के साथ उस्ताद को याद कर रहे हैं '

जाकिर हुसैन ने देश ही नहीं, बल्कि दुनिया भर में अपनी कला का परचम लहराया है। खुद का नाम तो रोशन किया ही बल्कि अपने राष्ट्र का मान बढ़ाया ' हमारी पीढ़ी के लोगों के लिए तबला का दूसरा नाम उस्ताद जाकिर हुसैन ही रहा है ' उस्ताद बिस्मिल्ला खान की शहनाई, हरि प्रसाद चौरसिया की बांसुरी, पंडित शिव शर्मा का संतूर..... इसी तरह तबला उस्ताद जाकिर हुसैन साहब के साथ जुड़ा हुआ है ' जीवन में इतनी प्रसिद्धि पाने के बाद भी उस्ताद को सादगी से रहना पसंद करते थे ' और वह अक्सर जमीन से जुड़े रहते थे '

महान लोगों की महान बातें जाकिर हुसैन साहब को कोई उस्ताद कहता तो असहज हो जाते थे, और बड़ी शालीनता के लिए कहते - भाई मैं उस्ताद नहीं हूं मुझे आप जाकिर या जाकिर भाई कहो उस्ताद कभी बनना भी नहीं चाहूंगा, मैं हमेशा शागिर्द बनकर रहना चाहता हूं ' तबला के महान विद्वान खुद को उस्ताद मानते ही नहीं थे, ये शालीनता उन्हें बहुत अलहदा अद्वितीय कलाकार बनाती है '

उन्होंने अपने जीवन में कई संघर्षों के बाद यह मुकाम पाया है। जाकिर हुसैन के अंदर बचपन से ही धुन बजाने का हुनर था। वे कोई भी सपाट जगह देखकर उंगलियों से धुन बजाने लगते थे। यहां तक कि किचन में बर्तनों को भी नहीं छोड़ते थे। तवा, हांडी और थाली, जो भी मिलता, वे उस पर हाथ फेरने लगते थे। शुरूआती दिनों में उस्ताद जाकिर हुसैन ट्रेन में यात्रा करते थे। पैसों की कमी की वजह से जनरल कोच में चढ़ जाते थे। सीट न मिलने पर फर्श पर अखबार बिछाकर सो जाते थे। तबले पर किसी का पैर न लगे, इसलिए उसे अपनी गोद में लेकर सो जाते थे। ऐसा समर्पण जब किसी कलाकार में आ जाता है तो वो किवदंती बन जाता है ' केवल 12 साल की उम्र में 5 रुपए मिले थे जब जाकिर हुसैन 12 साल के थे, तब अपने पिता के साथ एक कॉन्सर्ट में गए थे। उस कॉन्सर्ट में पंडित रविशंकर, उस्ताद अली अकबर खान, बिस्मिल्लाह खान, पंडित शांता प्रसाद और पंडित किशन महाराज जैसे संगीत की दुनिया के दिग्गज पहुंचे थे। जाकिर हुसैन अपने पिता के साथ स्टेज पर गए। परफॉर्मेंस खत्म होने के बाद जाकिर को 5 रुपए मिले थे। एक इंटरव्यू में उन्होंने इस बात का जिक्र करते हुए कहा था- मैंने अपने जीवन में बहुत पैसे कमाए, लेकिन वे 5 रुपए सबसे कीमती थे। अमेरिका में भी जाकिर हुसैन को बहुत सम्मान मिला। 2016 में पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा ने उन्हें ऑल स्टार ग्लोबल कॉन्सर्ट में भाग लेने के लिए व्हाइट हाउस में आमंत्रित किया था। जाकिर हुसैन पहले इंडियन म्यूजिशियन थे, जिन्हें यह इनविटेशन मिला था। उस्ताद जाकिर हुसैन को 1988 में पद्मश्री से सम्मानित किया गया था, तो सबसे कम उम्र के कलाकार थे ' 2002 में पद्म भूषण और 2023 में पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया था। उन्हें 2009 में पहला ग्रैमी अवॉर्ड मिला था। 2024 में उन्होंने 3 अलग-अलग एल्बम के लिए 3 ग्रैमी भी जीते। संगीत की दुनिया में उस्ताद जाकिर हुसैन साहब आप ध्रुव तारे की तरह चमकते रहेंगे ' आपकी उँगलियों से निकलता संगीत पूरी दुनिया के बीच आपको ज़िन्दा रखेगा' (लेखक /पत्रकार)

संपादकीय

संकल्पबद्ध होने का अवसर

आपातकाल को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को लोक सभा में कहा कि उसके माथे से यह कलंक कभी नहीं मिट सकता। 'संविधान के 75 वर्ष की गौरवशाली यात्रा' पर चर्चा का जवाब देते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने नेहरू-गांधी परिवार पर निशाना साधते हुए कहा कि इस परिवार ने हर स्तर पर संविधान को चुनौती दी है। इससे पूर्व चर्चा में हिस्सा लेते हुए नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सरकार कर तीखा प्रहार करते हुए आरोप लगाया था कि जिस तरह एकलव्य का अंगूठा कटा था, उसी तरह आज देश के युवाओं का अंगूठा काटा जा रहा है। 'जैसे एकलव्य ने तपस्या की थी, वैसे ही हिन्दुस्तान के युवा सुबह उठ कर अलग-अलग परीक्षा की तैयारी करते हैं, लेकिन जब आपने 'अग्निवीर' लागू किया तब आपने उन युवाओं का अंगूठा काटा।' 'किसानों का अंगूठा काटा गया है। उद्योगपतियों को अनुचित लाभ पहुंचा कर देश का अंगूठा काटने का काम किया जा रहा है।' चर्चा में हिस्सा लेते हुए सपा नेता अखिलेश यादव ने अल्पसंख्यकों से भेदभाव का आरोप लगाया। इसका तीव्र प्रतिवाद करते हुएसंसदीय कार्यमंत्री किरेन रीजीजू ने कहा कि अल्पसंख्यकों की सुरक्षा को लेकर किसी को भी ऐसी बात नहीं करनी चाहिए जिससे देश की छवि को नुकसान पहुंचे। कहा, ह्यकभी-कभी ऐसी बात की जाती है कि मानो अल्पसंख्यकों को कोई अधिकार ही नहीं है।' बेशक, भारत के संविधान की 75 वर्षों की यात्रा गौरवपूर्ण रही है, लेकिन सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तल्खी इसके अनुरूप नहीं है। सत्ता पक्ष को हमेशा से लगा है कि प्रतिपक्ष अपनी भूमिका से न्याय नहीं कर रहा तो विपक्ष को हमेशा ही लगा है कि सत्ता पक्ष उसकी सुन नहीं रहा। इस सारी खींचतान में संसद की कार्यवाही इस तरह बाधित होती है कि किसी अपराधपूर्ण कृत्य से कम नहीं प्रतीत होती। न तो सत्ता पक्ष को भान होता है कि संसद की कार्यवाही में व्यवधान देश के नागरिकों के धन का अपव्यय है, और न ही विपक्ष इस बात को समझने को तैयार है कि उसे रचनात्मक विपक्ष की भूमिका का निवर्हन करना है। सरकार को घेर कर जवाबदेह बनाने का मतलब कदापि यह नहीं हो सकता कि हो-हल्ला और शोर-शराबा करके सदन का बेशकीमती समय और देशका धन बर्बाद कर दिया जाए। संविधान की यात्रा का 75वां वर्ष अवसर है जब पक्ष-विपक्ष संकल्पबद्ध हों कि सदन के कामकाज को किसी सूरत बाधित नहीं होने देंगे। तभी संविधान का मर्म और भावना चोटिल होने से बची रह सकेगी।

चिंतन-मनन

प्रकृति की तीन शक्तियां

प्रकृति में तीन शक्तियां हैं- ब्रह्म शक्ति, विष्णु शक्ति और शिव शक्ति। प्रायः तुममें कोई भी एक शक्ति अधिक प्रबल होती है। ब्रह्म शक्ति वह ऊर्जा है जो नव-निर्माण करती है; विष्णु शक्ति ऊर्जा का पालन करती है और शिव शक्ति वह ऊर्जा है जो रूपांतरण करती है- नया जीवन देकर या संहार कर। तुममें से कुछ हैं जिनमें ब्रह्म शक्ति प्रबल है। तुम सृष्टि तो कर सकते हो, पर अपनी रचना को सुरक्षित नहीं रख पाते। हो सकता है तुम तुरंत ही नए मित्र बना लो, परंतु वह मित्रता अधिक समय तक टिकती नहीं। तुममें कुछ और लोग हैं जिनमें विष्णु शक्ति है। तुम रचना नहीं कर सकते, परंतु जो है उसे अच्छी तरह संभालकर रखते हो। तुम्हारी सभी पुरानी दोस्ती बहुत स्थायी होती है, परंतु तुम नए मित्र नहीं बना पाते। और तुममें कुछ ऐसे भी लोग हैं जिनमें शिव शक्ति प्रबल है। वे नव-जीवन लाते हैं या रूपांतरण, या जो है उसे खत्म करते हैं। गुरु शक्ति में ये तीनों शक्तियां पूर्ण रूप से प्रफुल्लित हैं। पहले यह पहचानो कि तुममें कौन-सी शक्ति प्रबल है और फिर गुरु शक्ति की आकांक्षा करो, प्रार्थना करो। संपूर्ण सृष्टि सरलता और बुद्धिमत्ता के मंगलमय लय से प्रकृति के नियमों पर चल रही है। यही मंगल ही दिव्यता है। शिव वह सामंजस्यपूर्ण सरलता है जो कोई नियंत्रण नहीं जानती। शिव का विपरीत है वशी, यानी नियंत्रण। नियंत्रण मन का होता है। नियंत्रण का अर्थ है दो, द्वैत, कमजोरी। वशी का अर्थ है स्वाभाविकता से कुछ करने के बजाए दबाव द्वारा कुछ करना। प्रायः लोग समझते हैं कि उनका जीवन, परिस्थितियां उनके नियंत्रण में, उनके वश में हैं; परंतु नियंत्रण एक भ्रम है, मन में क्षणिक ऊर्जा का दबाव नियंत्रण है। यह है वशी। शिव इसका विपरीत है। शिव ऊर्जा का स्थाई और अनंत स्रेत है, सत्ता की अनंत अवस्था, वह एक जिसका कोई दूसरा नहीं। द्वैत भय का कारण है और वह सामंजस्यपूर्ण सरलता द्वैतवाद को विलीन करती है। जब एक क्षण पूर्ण है, संपूर्ण है; तब वह क्षण दिव्य है। वर्तमान क्षण में होने का अर्थ है- न भूतकाल का पछतावा, न भविष्य की कोई मांग। समय रुक जाता है, मन रुक जाता है। तुम्हारे शरीर के प्रत्येक कोष में पांचों इंद्रियों की क्षमता है। आंखों के बिना तुम देख सकते हो, दृष्टि चेतना का अंश है; इसीलिए स्वप्न में तुम आंखों के बिना देख सकते हो।

सुस्त विकास और महंगाई की चुनौती

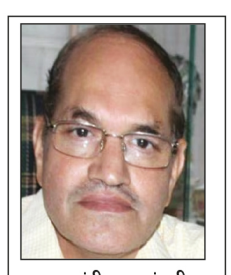

डा. जयंतीलाल भंडारी

हाल ही में 11 दिसंबर को भारतीय रिजर्व बैंक के नव नियुक्त 26वें गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि वह महंगाई नियंत्रण और विकास दर के बीच उपयुक्त संतुलन बनाने की डगर पर आगे बढ़ेंगे। साथ ही अर्थव्यवस्था के लिए सर्वोत्तम काम करने की कोशिश करेंगे। गौरतलब है कि यद्यपि 12 दिसंबर को घोषित आंकड़ों के अनुसार खुदरा महंगाई दर घटकर 5.8 फीसदी रह गई है, फिर भी यह रिजर्व बैंक के महंगाई के तय दायरे से अभी काफी ऊपर बनी हुई है। ऐसे में इस समय देश में धीमी विकास दर और महंगाई की चुनौती का परिदृश्य उभरकर दिखाई दे रहा है। बीते दिनों राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के द्वारा जारी रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 5.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जबकि इसके पहले अप्रैल से जून की पहली तिमाही में 6.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। इस सुस्त विकास दर के परिदृश्य से प्रभावित हुए बिना हाल ही में 6 दिसंबर को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक में विकास दर बढ़ाने के लिए ब्याज दर में कमी नहीं करते हुए महंगाई नियंत्रण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। उल्लेखनीय है कि रिजर्व बैंक ने लगातार 11वीं बार ब्याज दर यानी नीतिगत दर (रेपो) में कोई बदलाव नहीं किया और इसे 6.5 प्रतिशत पर बरकरार रखा। रेपो वह ब्याज दर है जिस पर कमर्शियल बैंक अपनी तात्कालिक जरूरतों को पूरा करने के लिए केंद्रीय बैंक से कर्ज लेते हैं। आरबीआई मुद्रास्फीति को काबू में रखने के लिए इस दर का उपयोग करता है।

हालांकि अर्थव्यवस्था में नकदी बढ़ाने के मकसद से रिजर्व बैंक ने कैश रिजर्व रेश्यो (सीआरआर) को 4.5 प्रतिशत से घटाकर चार प्रतिशत कर दिया। इस कदम से बैंकों में 1.16 लाख करोड़ रुपए की अतिरिक्त नकदी उपलब्ध होगी। इससे बैंकिंग क्षेत्र में नकदी की स्थिति में सुधार होगा। ज्ञातव्य है कि सीआरआर के तहत कमर्शियल बैंकों को अपनी जमा का एक निर्धारित हिस्सा कैश रिजर्व के रूप में रिजर्व बैंक के पास रखना होता है। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक में आरबीआई ने मौजूदा स्थिति को देखते हुए चालू वित्त वर्ष के लिए जीडीपी ग्रोथ के अनुमान को 7.2 प्रतिशत से घटाकर 6.6 प्रतिशत कर दिया है। आरबीआई ने चालू वित्त वर्ष में खुदरा महंगाई के अनुमान को भी 4.5 प्रतिशत बढ़ाकर 4.8 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया है। रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर शक्तिकांत दास ने दिसंबर 2024 की मौद्रिक नीति के निर्णय के परिप्रेक्ष्य में कहा था कि निकट भविष्य में, कुछ नरमी के बावजूद, खाद्य कीमतों पर दबाव बने रहने से चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में मुख्य महंगाई के ऊंचे स्तर पर बने रहने की संभावना है। उन्होंने कहा था कि महंगाई के मद्देनजर वैश्विक अर्थव्यवस्था में अभी बांड प्रतिफल में वृद्धि, जिन्स कीमतों में उतार-चढ़ाव और बढ़ते भू-राजनीतिक जोखिम जैसी कई तरह की बाधाएं हैं। साथ ही आयात शुल्क में वृद्धि और वैश्विक कीमतों में वृद्धि के बाद घरेलू खाद्य तेल की कीमतों की बदलती दिशा पर बारीकी से नजर रखने की जरूरत है। दास ने कहा था कि रिकॉर्ड खरीफ उत्पादन के अनुमान से चावल और तुअर दाल की बढ़ी हुई कीमतों में राहत मिलेगी। सब्जियों की कीमतों में भी सुधार की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि आगे चलकर, खाद्य मुद्रास्फीति के दबाव को कम करने के लिए एक अच्छा रबी सीजन महत्वपूर्ण होगा। प्रारंभिक संकेत पर्याप्त मिट्टी की नमी और जलाशय के स्तर की ओर इशारा करते हैं, जो रबी की बुवाई के लिए अनुकूल है। ऐसे में चालू वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में विकास दर बढ? की उम्मीद है। निःसंदेह आरबीआई के द्वारा मौद्रिक नीति समीक्षा के तहत महंगाई नियंत्रण को सर्वोच्च प्राथमिकता दिया जाना सही कदम है।

वस्तुतः पिछले दो महीनों अक्टूबर-नवंबर 2024 में महंगाई दर के बढ? की स्थिति आश्चर्यचकित करने वाली रही है। पिछले माह आरबीआई ने 2 से 11 नवंबर, 2024 को परिवारों को महंगाई को लेकर कैसी उम्मीदें हैं, इस विषय पर सर्वेक्षण कराया था। आरबीआई के सर्वेक्षण से यह अंदाजा मिलता है कि सितंबर 2024 के चरण की तुलना में नवंबर के सर्वेक्षण में शामिल प्रतिभागियों में एक बड़े वर्ग को ऐसा लगता है कि नए साल 2025 में कीमतें और महंगाई दोनों ही बढ़ेंगी। यह बढ़ोतरी मुख्य तौर पर खाद्य वस्तुओं और घर से जुड़े खर्चों के बढ़ते दबाव की वजह से होगी। इस बीच उपभोक्ता आत्मविश्वास सर्वेक्षण से यह अंदाजा मिला है कि सर्वेक्षण के प्रतिभागियों की मौजूदा कमाई की धारणा में भले ही कमी आई हो, लेकिन उन्हें इस बात की बड़ी उम्मीद है कि भविष्य में आमदनी बढ़ेगी, रोजगार की स्थिति में भी सुधार आएगा। परिवारों को ऐसा लगता है कि एक साल की अवधि के दौरान बेहद जरूरी और गैर-जरूरी खर्च बढ़ेंगे। हालांकि उन्होंने आगे के वर्ष के लिए कीमतों को छोडकर प्रमुख आर्थिक मापदंड के लिए अधिक आशावादी होने के संकेत दिए हैं। यहां यह उल्लेखनीय है कि पिछले माह 15 नवंबर को वैश्विक क्रेडिट रेटिंग एजेंसी मूडीज ने अपनी रिपोर्ट में भारत में महंगाई और विकास के बीच संतुलन बनाए रखने की सराहना की है। रिपोर्ट में कहा गया है कि महंगाई में कम अवधि की तेजी के बावजूद आने वाले महीनों में महंगाई दर रिजर्व बैंक के द्वारा निर्धारित लक्ष्य की ओर पहुंचेगी, क्योंकि ज्यादा बोआई और पर्याप्त अनाज भंडार के कारण कीमतों में कमी आएगी। चूंकि भू-राजनीतिक तनावों और मौसम की स्थिति खराब होने पर महंगाई दर बढ? का जोखिम भी बना हुआ है, अतएव इसी कारण नीतिगत ढील को लेकर रिजर्व बैंक सावधानी बरत रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में महंगाई के बीच भी अर्थव्यवस्था अच्छे दौर में है। रेटिंग एजेंसी ने वर्ष 2024 में भारत की वृद्धि दर 7.2 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। उसके बाद 2025 और 2026 में क्रमशः 6.6 प्रतिशत और 6.5 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान है।

इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि इस समय जब खाद्य पदार्थों की तेजी से बढ़ती महंगाई के नियंत्रण और विकास की जरूरतों के बीच उपयुक्त तालमेल किया जा रहा है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के द्वारा 12 नवंबर को प्रकाशित आंकड़ों के मुताबिक अक्टूबर 2024 में खुदरा महंगाई दर बढकर 6.21 प्रतिशत हो गई। यह महंगाई का 14 महीने का उच्चतम स्तर है। इससे पिछले महीने सितंबर में खुदरा महंगाई दर 5.49 प्रतिशत दर्ज की गई थी तथा अगस्त में 3.65 प्रतिशत थी। निःसंदेह खाद्य पदार्थों की महंगाई रोकने के लिए सरकार के द्वारा तात्कालिक उपायों के साथ दीर्घकालीन उपायों पर भी ध्यान दिया जाना जरूरी होगा। इस समय ग्रामीण भारत में जल्द खराब होने वाले ऐसे कृषि उत्पादों की आपूर्ति श्रृंखला बेहतर करने पर प्राथमिकता से काम करना होगा, जिनकी खाद्य महंगाई के उतार-चढ़ाव में ज्यादा भूमिका होती है। ऐसे में सरकार को खाद्य उत्पादन में वृद्धि के साथ-साथ कृषि उपज की बबार्दी को रोकने के बहुआयामी प्रयासों के तहत खाद्य भंडारण और वेयरहाउसिंग की कारगर व्यवस्था की डगर पर बढ?ा होगा। हम उम्मीद करें कि रिजर्व बैंक के नए गवर्नर संजय मल्होत्रा सरकार के साथ रिजर्व बैंक के विभिन्न समन्वित रणनीतिक प्रयासों से देश में महंगाई को नियंत्रित करने और सुस्त विकास दर को बढ़ाने के परिप्रेक्ष्य में नई रणनीति के साथ आगे बढ़ेंगे।

(विख्यात अर्थशास्त्री)

मेट्रो केबल : चोरी में तकनीक का इस्तेमाल

भगवती प्रसाद ड़ोभाल

पिछले वर्ष से चोरों ने अपनी आजीविका का नया फामूर्ला ईजाद कर लिया है। बेरोजगारी में चोरों ने दिल्ली की लाइफलाइन को अपना रोजगार बना लिया है। चोरों को इससे यह चिंता नहीं हुई कि मेट्रो से सफर करने वालों को तकलीफ झेलनी पडक्ेगी। सारे दिल्ली के ऑफिसों में काम करने वाले लोग अपनी रोजी-रोटी के लिए सुबह काम पर जाते वक्त जगह-जगह जाम झेल रहे थे, कारण था मेट्रो के केबल चोरों ने रात में ही उन केबलों को काट दिया था जिनसे मेट्रो अपना रास्ता तय करती है। इस कारण वे अपने ऑफिस समय पर नहीं पहुंच सके। इतना ही नहीं, जिन्हें बाहर जाना था-उनकी ट्रेनें और फ्लाइटें भी मिस हुई।

इस काम के लिए फिलहाल मेट्रो की ब्ल्यू लाइन पर लगातार धावा बोला गया। हालांकि बहुत समय बाद पुलिस को सफलता मिली है। इन केबल चोरों को पकडक्ने और इन घटनाओं को अंजाम देने वाले गैंग के सदस्यों को दिल्ली पुलिस ने पकड़ लिया है। बीते दिनों मेट्रो ट्रैक पर केबल चोरी होने से केबल और चोरी में इस्तेमाल गाड़ियों को पुलिस ने बरामद कर दिया है। यह काम बहुत समय बाद हुआ है। इससे पूर्व चोरों ने मेट्रो लाइन को बहुत नुकसान पहुंचाया है। पता चला कि कीर्ति नगर और मोती नगर मेट्रो स्टेशन के बीच सिग्नलिंग केबल चोरी होने की सूचना मिली थी। पुलिस ने इस मामले में बीएनएस और डीएमआरसी अधिनियम की धारा 74 के तहत मामला दर्ज किया था। इस वारदात में शामिल गिरोह के 11 में से चार 4 सदस्यों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने इनके कब्जे से चोरी की गई 55 मीटर लंबी केबल, टाटा एस लोडर वाहन और दो मोबाइल फोन बरामद किए थे। घटना स्थल से पता चला कि वहां पर 140 मीटर लंबी केबल काटी गई थी। यह केबल मेट्रो ट्रेनों की लोकेशन का पता लगाने और ट्रैक सर्किट को डेटा भेजने के लिए उपयोग की जाती है। मेट्रो के परिचालन के लिए उपयोग में होने वाले इस केबल की कीमत लाखों में होती है। इसी कारण चोरों को इसको प्राप्त करने से काफी मुनाफा होता है।

वर्ष 2020-22 के दौरान केबल चोरी होने के बहुत सारी घटनाएं हुई हैं। 2020 में 54 मामले दर्ज हुए थे, वहीं 2021 में 57 और 2022 में 63 मामले सामने आए थे। इन मामलों में चोरों तक पहुंचने में पुलिस मुस्तैद नहीं दिखी थी। इस कारण चोरों के हौसले बुलंदी पर थे। मेट्रो केबल तांबे से बने होते हैं, यह काफी महंगी धातु है, बहुत सारे उद्योगों में तांबे की भारी मांग है, इसलिए इसको बेचने में आसानी है। इन केबलों का नेटवर्क मेट्रो स्टेशनों और ट्रेनों के बीच बिछाया जाता है। यह जटिल नेटवर्क होता है। विशेषकर रात के समय या फिर जहां पर सुरक्षा कम हो, वहां पर इसका इस्तेमाल किया जाता है। यह केबल मेट्रो रेल सिस्टम की जीवनरेखा होता है। यह मोटी इंसुलेटेड तार होती है, जो मेट्रो ट्रेनों की बिजली, संचार और नियंत्रण संकेत प्रदान करती है। केबल की चोरी होने पर मेट्रो सिस्टम की तीन मुख्य प्रणालियां- पावर, संचार और सिग्नल-ठप हो जाती हैं। मेट्रो के संचालन के लिए इन तीनों का सुचारु रूप से काम करना जरूरी है। डीएमआरसी से मिली जानकारी के अनुसार केबल चोरी आम तौर पर रात साढक्े बारह बजे से सुबह चार बजे के बीच होती है। इस समय मेट्रो सेवाएं बंद होती हैं।

चोर सेवा बंद होने के बाद रात में वियाडक्ट में घुसते हैं। वे केबल काटते हैं, और उसे नीचे अपने साथियों के पास फेंक देते हैं। फिर भाग जाते हैं। यह मेट्रो स्टेानों पर नहीं, बल्कि वियाडक्ट पर होता है। अधिकारी के अनुसार केबलों पर स्टील की परत होती है, लेकिन उनमें ज्यादातर तांबा होता है। यह चोरों के लिए कीमती होता है। चोर पटरियों तक अपनी पहुंच समूह में काम करके बनाते हैं। रस्सियों का इस्तेमाल करके मेट्रो की पटरियों तक पहुंचते हैं। कभी-कभी वे अपने साथियों की मदद से या पेड़ की शाखाओं का इस्तेमाल करके पटरियों पर चढ़ते हैं। पटरियों पर चढ़ने के बाद कीमती केबल काट लेते हैं। केबल काटने के बाद पटरियों पर मौजूद व्यक्ति उसे जमीन पर अपने साथियों के पास फेंक देता है। साथी तुरत-

फुरत में केबल उठा लेते हैं, और उसे पास की झाड़ियों में छिपा देते हैं, या किसी गाड़ी में लाद देते हैं। फिर वह व्यक्ति रस्सी के सहारे पटरियों से नीचे उतर जाता है। पुलिस का यह भी मानना है कि चोर अक्सर नाबालिगों को अपराध करने के लिए काम पर रखते हैं, क्योंकि वे आसानी से चढ़ कर तार काट सकते हैं। यह भी संज्ञान में आया कि बाजार में केबल 500 रुपये प्रति मीटर के हिसाब से बिकता है। केबल चोरी के इस तरीके ने बेरोजगारों को प्रेरित किया है। प्रशासन को चाहिए कि अधिक से अधिक रोजगार की संभावनाओं को युवाओं के सामने रखे। ऐसा करके ही युवाओं के लिएसम्मानजनक रोजगार मुहैया कराना संभव हो सकेगा।

लक्षण यदि लगातार बने रहते हैं तो इलाज लें

रोजमर्रा के जीवन को मुश्किल करता संतुलन बिगाड़ता 'वर्टिगो'

डॉ. विशाल गुप्ता
वरिष्ठ फिजिशियन

वर्टिगो एक चिकित्सीय स्थिति है, जिसमें व्यक्ति को ऐसा महसूस होता है कि वह या उसके आसपास की चीजें घूम रही हैं। यह चक्कर की समस्या होती है। जब कोई व्यक्ति वर्टिगो से पीड़ित होता है, तो उसके लिए चलना या संतुलन बनाए रखना मुश्किल हो सकता है। यह किसी भी आयु वर्ग को प्रभावित कर सकता है और यह किसी बीमारी के बजाय किसी आंतरिक चिकित्सा स्थिति का लक्षण है। वर्टिगो कुछ सेकंड या उससे भी ज्यादा समय तक रह सकता है। अगर गंभीर चक्कर हैं, तो लक्षण लगातार और कई दिनों तक रह सकते हैं, जिससे रोजमर्रा के जीवन पर असर पड़ता है। व्यक्ति कार्यों को करने में खुद को असमर्थ महसूस करता है।

10 *में से एक व्यक्ति दुनिया में अपने जीवनकाल में एक बार वर्टिगो का अनुभव करता है।*

दो तरह का यह रोग

वर्टिगो दो प्रकार के होते है केंद्रीय वर्टिगो एवं परिधीय वर्टिगो।

1. केंद्रीय वर्टिगो - मस्तिष्क या तंत्रिका तंत्र से जुड़ी समस्याओं के कारण होता है। इसका कारण मस्तिष्क में होने वाली समस्याएं जैसे स्ट्रोक, मस्तिष्क का ट्यूमर या नर्वस सिस्टम की कोई विकृति हो सकती है। यह वर्टिगो आमतौर पर अधिक गंभीर होता है और इसके साथ अन्य लक्षण जैसे दृष्टि में धुंधलापन, सिरदर्द, बोलने में कठिनाई भी शामिल हैं।

2. परिधीय वर्टिगो - आंतरिक कान से संबंधित समस्याओं के कारण उत्पन्न होता है। आंतरिक कान में स्थित वेस्टिबुलर तंत्रिका का कार्य शरीर के संतुलन को बनाए रखना है। जब इस नस में या आंतरिक कान में कोई समस्या होती है, तो वर्टिगो की समस्या उत्पन्न होती है।

ऐसे पहचानें

- अचानक चक्कर आना
- चक्कर कई घंटों से लेकर दिनों तक रहना
- बार-बार चक्कर आते रहना। कई लोगों में तेज सिरदर्द होना, बीमार अनुभव करना और तेज बुखार व कंपकंपी भी महसूस हो सकती है।

यह न करें

- चीजों को उठाने के लिए झुकें नहीं, बल्कि नीचे बैठकर ही चीजें उठाएं।
- अपनी गर्दन को न खींचें। उदाहरण के लिए, किसी ऊंची शेल्फ तक पहुंचते समय।

इन कारणों से होता

मस्तिष्क में रक्त का प्रवाह रुकने के कारण वर्टिगो हो सकता है। इसके अलावा अगर मस्तिष्क में ट्यूमर है, तो भी नर्वस सिस्टम पर दबाव पड़ता है। वर्टिगो का सबसे बड़ा कारण हाइपोटेंशन भी है यानी यदि किसी व्यक्ति का रक्तचाप बहुत कम हो जाता है, तो उसे उठने-बैठने पर चक्कर आ सकते हैं, जिससे वर्टिगो की स्थिति उत्पन्न होती है। कई लोगों को माइग्रेन के दौरान भी वर्टिगो की समस्या होती है।

कुछ उपाय करें

इसे नजरअंदाज न करें, इलाज लें। वर्टिगो के लक्षणों में सुधार के लिए आप स्वयं कुछ उपाय कर सकते हैं और इसकी आवृत्ति को कम कर सकते हैं।

- **चक्कर** आने की अनुभूति को कम करने के लिए शांत और कम रोशनी वाले कमरे में लेटें।
- **दैनिक** गतिविधियों के दौरान अपने सिर को सावधानीपूर्वक और धीरे-धीरे हिलाते रहें।
- **जब** आपको चक्कर आएं तो तुरंत बैठ जाएं या सहारा लेने का प्रयास करें।
- **रात** में जागने पर लाइट ऑन कर लेना चाहिए।
- **यदि** आपको गिरने का खतरा हो तो छड़ी का प्रयोग करना चाहिए।
- **बिस्तर** से उठते समय धीरे-धीरे उठें और खड़े होने से पहले एक मिनट या उससे अधिक समय तक बिस्तर के किनारे पर बैठें।

फाइनेंस की बात | निवेश करने से पहले चैकलिस्ट तैयार करना जरूरी

शेयर बाजार की बारीकियों को समझें, नॉलेज के बाद ही करें निवेश

पवन शर्मा
सीए
Patrika.com

अगर ज्यादा पैसा कमाना चाहते हैं तो उसके दो तरीके हो सकते हैं, एक तो अपना व्यवसाय शुरूकरनायादूसराकिसी सफल व्यवसाय में निवेश करना। अगर हम पहला विकल्प अपनाएं तो हमें एक व्यवसाय शुरू करने से पहले प्रारम्भिक पूंजी, नियमित नकदी प्रवाह, व्यवसाय की गहरी समझ, एक अच्छी टीम, उचित इन्फ्रास्ट्रक्चर, रिस्क मैनेजमेंट आदि कई ऐसी बातों का ध्यान रखना पड़ता है। अगर हम दूसरे विकल्प पर विचार करें तो शेयर बाजार की बारीकियों और नॉलेज के साथ हम सही कम्पनियों का चुनाव कर अच्छा निवेश कर सकते हैं।

अहम बिंदु

- नए निवेशक छोटी और बड़ी 10-15 कंपनियों में पैसा लगाएं, ताकि जोखिम कम हो और पोर्टफोलियो का विविधीकरण हो सके।

विश्लेषण अवश्य करें

- **जिस** कम्पनी में आप निवेश करना चाहते है उस कंपनी की वित्तीय स्थिति चैक करें, जैसे बैलेंस शीट, कैश फ्लो।
- **कंपनी** की उत्पादकता और उसके प्रोडक्ट की मांग का विश्लेषण करें।
- **कंपनी** के मालिक और उसकी मैनेजमेंट टीम की योग्यता और अनुभव का विश्लेषण करें।
- **नियमित** निवेश करने की एक योजना बनाएं, जिससे पोर्टफोलियो बढ़ता रहे।
- **निवेश** करने के बाद अपने पोर्टफोलियो पर नजर रखें। जो कंपनी अच्छा रिजल्ट दिखाती है उन्हे अपने पोर्टफोलियो में बनाए रखें वरना दूसरी कंपनी में स्विच करें।
- **उन** खबरों की जानकारी रखें, जिनका प्रभाव आपकी चुनी हुई कम्पनियों पर पड़ता है।
- **बाजार** को और देश विदेश की अर्थव्यवस्था को समझने के लिए नियमित पढ़ने की आदत डालें। 'इंटेलिजेंट इन्वेस्टर', 'वन्स अपऑन द वर्ल्ड स्ट्रीट', 'बीटिंग स्ट्रीट, कॉफी केन पोर्टफोलियो' आदि किताबें आपके लिए फायदेमंद हो सकती हैं।
- **बाजार** के उतार-चढ़ाव की समझ के लिए देश-विदेश के सफल निवेशकों को फॉलो करें, और उनकी गाइडलाइन को समझकर उसे अपने निवेश निर्णयों में लागू करें, ताकि आप निवेश के जोखिम को बेहतर तरीके से मैनेज कर सकें।

निष्कर्ष

शेयर बाजार एक अच्छा तरीका है अपने पैसों को बढ़ाने का। हालांकि इसमें कुछ जोखिम भी हैं इसलिए शेयर बाजार में निवेश करने से पहले अपने फाइनेंशियल गोल्स और रिस्क उठाने की सहनशक्ति को समझना होगा। शेयर बाजार की पूरी जानकारी और अध्ययन से हम रिस्क को कम से कम कर सकते है।

स्किन केयर में न करें गलतियां

सर्दी के मौसम में ठंडी हवाएं और शुष्क मौसम त्वचा की नमी को छीन लेता है। अपनी त्वचा का विशेष ध्यान रखना चाहिए। स्किन केयर में गलतियों से बचें।

कम पानी पीना

इस सीजन में कम प्यास लगती है, जिसकी वजह से कम पानी पीया जाता है। इससे शरीर के डिहाइड्रेट होने की आशंका बढ़ जाती है। इस मौसम में भी रोजाना 7-8 गिलास पानी अवश्य पीना चाहिए।

हॉट वाटर बाथ

ठंड के मौसम में गुनगुने पानी से नहाना चाहिए, न कि तेज गर्म पानी से। इससे त्वचा का प्राकृतिक तेल खत्म हो जाता है। यह त्वचा को और अधिक रूखा व बेजान बना देता है।

लीगल ब्यू

हादसे का शिकार होने पर मुआवजा मांगना आपका अधिकार

संदीप लुहाड़िया
एडवोकेट
Patrika.com

सड़कों पर अक्सर कार दुर्घटनाएं होती रहती हैं। अगर कोई इसके परिणामस्वरूप गंभीर शारीरिक चोटें या स्थायी दिव्यांगता का शिकार होता है तो आर्थिक नुकसान (चिकित्सा और वेतन, मजदूरी) और दर्द पीड़ा के लिए मुआवजे के पात्र हो सकते हैं। वाहन दुर्घटना के शिकार के रूप में अनिवार्य तृतीय पक्ष (सीटीपी) योजना के तहत दावा दायर करना और मुआवजा प्राप्त करना संभव है। इसमें चाहे कोई भी दोषी हो, दुर्घटना के कारण चिकित्सा व्यय और वेतन की हानि के लिए भी कवर किया जा सकता है। अगर ज्यादा चोट नहीं लगी है तो दुर्घटना होते ही सबूत इकट्ठा करना शुरू कर दें।

दुर्घटना की तस्वीरें और वीडियो लें, दुर्घटना के दौरान वाहन और स्थान को कैप्चर करें। उसके बाद, संबंधित पक्षों से बात करें और उनके विवरण रिकॉर्ड करें, जैसे कि उनके वाहन का पंजीकरण, लाइसेंस नंबर, बीमा और सम्पर्क जानकारी। मुआवजा दावा दायर करते समय ये विवरण महत्त्वपूर्ण होते हैं। पुलिस को रिपोर्ट करें। यदि आप दुर्घटना करने वाले वाहन का पता नहीं कर पा रहे हैं तो राज्य सरकार भी विभिन्न योजनाओं के तहत आर्थिक मदद करती है।

मेरा दस्तावेज

घर बैठे आसानी से बनवा सकते हैं राशन कार्ड

राशन कार्ड बहुत ही महत्त्वपूर्ण दस्तावेज हैं, जो गरीब व जरूरतमंद लोगों को सस्ते दामों पर अनाज और जरूरी सामान उपलब्ध कराता है। राशन कार्ड बनवाने के लिए घर बैठे आवेदन कर सकते हैं। ऑनलाइन आवेदन करने के लिए अपने राज्य के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग की वेबसाइट पर जाना होगा। होमपेज पर 'नया राशन कार्ड आवेदन' के ऑप्शन पर क्लिक करें। अब एक नया पेज खुलेगा जहां आपको अपनी व्यक्तिगत जानकारी भरनी होगी। फिर अपना पूरा पता, पिनकोड, जिला आदि की जानकारी दें। परिवार के सदस्यों की डिटेल्स भी भरें। बैंक खाते की जानकारी और आधार कार्ड नंबर भी दर्ज करें। सभी जरूरी दस्तावेजों को अपलोड करें। अंत में घोषणा पत्र पर टिक करके सबमिट बटन पर क्लिक कर दें। आवेदन सबमिट होने पर आपको एक रेफरेंस नंबर मिलेगा।

शॉर्ट रील

पाताल लोक का नए सीजन का ऐलान

जयदीप अहलावत और अभिषेक बनर्जी की लोकप्रिय वेब सीरीज 'पाताल लोक' के दूसरे सीजन का ऐलान हो गया है। इसके साथ 'पाताल लोक 2' से जयदीप की पहली झलक सामने आ चुकी है, जिसमें उनका धांसू किरदार दिख रहा है। इसके कैप्शन में लिखा, 'इंटरनेट तोड़ने के लिए हमारे हथौड़े का उपयोग करना।' सीरीज का पहला सीजन 15 मई, 2020 को रिलीज हुआ था।

श्रेयस तलपडे 'पुष्प राज' की आवाज बनकर चर्चा में हैं। इसी महीने उनकी आवाज से सजी दूसरी फिल्म 'मुफासा' रिलीज होने जा रही है। वह फिल्म 'द लॉयन किंग' में टिमोन की आवाज थे, उनका मुंबईया अंदाज पसंद था।

टिमोन की आवाज सुनकर मिली 'पुष्पा'

एक इंटरव्यू में श्रेयस ने कहा, हम लोग मुंबई के नेशनल पार्क किसी काम से गए थे तो वहां के वन अधिकारी हमें वहां लेकर गए। जहां एक टाइगर का नाम था, बाजीराव और इतना बड़ा टाइगर पहले कहीं नहीं देखा।

पहली बार डबिंग

फिल्म लॉयन किंग पहली फिल्म है जिसके लिए मैंने अपने जीवन में कारोबारी तरीके से डबिंग की। पहली फिल्म के हिंदी अधिकार मनीष शाह के पास थे। तब उन्होंने शंका जताई थी कि श्रेयस से हो पाएगा,'पुष्पा'! फिर उन्होंने टिमोन को सुना और उनका बुलावा आया।

रचनात्मकता पर काम

किसी भी फिल्म का एक सुर होता है और हमें उसे ही स्थायी मानकर चलना होता है। लेकिन, संजय मिश्रा जैसे कलाकार अगर साथ में है तो मुझे पता है कि वह अपने संवादों के अनुसार और स्थायी से अंतरे में जाते हुए भी उसके आसपास खेलेंगे। चार नई चीजें शामिल करेंगे।

अमृता बिश्नोई के बलिदान पर आधारित 'साको 363'

फिल्म लकी नो टाइम फॉर लव की हीरोइन स्नेहा उल्लाल 20 साल पहले पर्दे पर नजर आईं थीं। उन्हें सलमान खान ने अपनी बहन अर्पिता के स्कूल में देखा था, उस वक्त वह सिर्फ 17 साल की थीं। स्नेहा अब बतौर लीड हीरोइन फिल्म साको 363 से बड़े परदे पर वापसी की तैयारी कर रही हैं। पर्यावरण, वृक्षों और जीव जंतुओं की रक्षा करने वाली बहादुर नायिका अमृता बिश्नोई के संघर्ष और सर्वोच्च बलिदान की सच्ची घटना पर आधारित फिल्म साको 363 का टीजर रिलीज हो गया है। रामरतन बिश्नोई और विक्रम बिश्नोई के निर्देशित इस फिल्म में अमृता बिश्नोई का मुख्य किरदार खूबसूरत स्नेहा उल्लाल ने निभाया है।

सच्ची घटनाओं पर आधारित

90 सेकंड के टीजर में शुरुआत में ही बताया गया है कि फिल्म सच्ची घटनाओं पर आधारित है। टीजर के अंत में महिलाओं और बच्चों की रोंगटे खड़े कर देने वाली चीख पुकार काफी मार्मिक और असहनीय है। आज से 300 वर्ष पहले बिश्नोई समाज के 363 लोगों को पेड़ों की रक्षा के लिए कुल्हाड़ी काटे जाने की कहानी है।

कटा दिया था सिर

फिल्म निर्देशक ने कहा 'पर्यावरण के प्रति बिश्नोई समाज के बलिदान की यह कहानी फिल्म के माध्यम से एक बड़े दर्शक वर्ग तक पहुचेगी। इस फिल्म के माध्यम से पूरी दुनिया को पता चलेगा कि किस तरह एक वीरांगना ने वृक्षों की रक्षा के लिए अपना सिर कटा दिया था।

सेलेब न्यूज

चियान की 63वीं फिल्म

चियान विक्रम स्टारर अन्टाइटल फिल्म को 'चियान 63' के नाम से जाना जाएगा, जो विक्रम की 63वीं फिल्म होगी। आधिकारिक घोषणा करते हुए सोशल मीडिया पर लिखा, उनके प्रोडक्शन की तीसरी फिल्म की घोषणा कर उन्हें बेहद खुशी हो रही है, उनकी अब तक कि यात्रा बेहद ही प्रेरणादायी रही है। फिल्म का निर्देशन मैडोना अश्विन द्वारा किया जाएगा, जिनकी कहानी कहने का जादू हमने मंडेला और मावेरन देख लिया हैं।

फिटनेस फर्स्ट | सप्ताह में तीन दिन वर्कआउट का प्लान तैयार करें, इस समय धैर्य, समय और सही दिशा की होती जरूरत

मां बनने के बाद अपनी फिटनेस को न भूल जाना

अजय सिंह
सेलिब्रिटी फिटनेस ट्रेनर

प्रेग्नेंसी के बाद वजन घटाना व सही फिटनेस रेजीम अपनाना एक प्रक्रिया है, जिसमें समय, धैर्य व सही दिशा की जरूरत है। इस समय हार्मोनल बदलाव, मांसपेशियों की स्थिति और मानसिक स्वास्थ्य को ध्यान में रखना चाहिए। प्रेग्नेंसी के बाद फिटनेस की ओर वापसी धीमी व नियंत्रित प्रक्रिया होनी चाहिए।

प्रेग्नेंसी के बाद पुश, पुल, लेग्स स्प्लिट साप्ताहिक प्लान में होने चाहिए।

दिन 1: पुश वर्कआउट - छाती, कंधे और ट्राइसेप्स

इसमें वह मसल्स शामिल होते हैं, जिन्हें आप हाथों से बाहर की दिशा में धक्का देते हैं।

- **वॉर्म-अप:** 5-10 मिनट हल्का कार्डियो (जैसे वॉकिंग या साइक्लिंग)
- **बेंच प्रेस** (बड़ी बार बेल या डम्बल्स के साथ): 3 सेट और 12-15 रेप्स
- **डम्बल शोल्डर प्रेस:** 3 सेट और 12-15 रेप्स
- **ट्राइसेप डिप्स:** 3 सेट और 10-12 रेप्स (कठिन हो तो घुटनों के बल करें)

- **पुश-अप्स:** 3 सेट और 8-10 रेप्स (यदि मुश्किल हो तो घुटनों के बल करें)
- **स्ट्रेचिंग:** 5-10 मिनट

दिन 2: पुल वर्कआउट-पीठ, बाइसेप्स

इसमें वह मसल्स शामिल होते हैं जिन्हें आप खींचने की क्रिया करते हैं।

- **वॉर्म-अप** : हल्का कार्डियो
- **लेट पुलडाउन** : 3 सेट व 12-15 रेप्स
- **रोविंग** (डम्बल रॉ): 3 सेट व 12-15 रेप्स
- **बाइसेप कर्ल** (डम्बल कर्ल्स): 3 सेट व 12-15 रेप्स, सीटेड रॉ व स्ट्रेचिंग।

दिन 3: लेग्स वर्कआउट- पैर, ग्लूट्स और हैमस्ट्रिंग्स

इसमें पैर और निचले शरीर की मसल्स पर काम किया जाता है।

- **वॉर्म-अप:** 5-10 मिनट हल्का कार्डियो
- **स्क्वाट्स:** 3 सेट व 12-15 रेप्स
- **लंजेस:** 3 सेट व 12-15 रेप्स (प्रत्येक पैर पर)
- **ग्लूट ब्रिज** : 3 सेट व 12-15 रेप्स किए जा सकते हैं।
- **कैफ रेज** : 3 सेट और 15-20 रेप्स किए जा सकते हैं।
- **स्ट्रेचिंग:** 5-10 मिनट तक की जा सकती है।

- **धीरे-धीरे बढ़ाएं इंटेन्सिटी:** शुरुआती चरण में ज्यादा भारी व्यायाम से बचें और धीरे-धीरे इंटेन्सिटी बढ़ाएं।
- **नियमित ब्रेस्टफीडिंग:** ब्रेस्टफीडिंग शरीर के वजन को सामान्य कर सकती है, साथ ही अधिक कैलोरी बर्न करने में भी मदद करती है।

खुदरा विक्रेता पर भी प्रभावी हैं उत्पाद दायित्व के प्रावधान

डॉ. अनन्त शर्मा
नेशनल चेयरमैन, कंज्यूमर कॉन्फेडरेशन

उपभोक्ता जब बाजार से कोई सामान खरीदता है और उसमें किसी तरह की गड़बड़ी पाई जाती है तो न केवल उत्पाद का निर्माता बल्कि विभिन्न मामलों में खुदरा विक्रेता भी उसके दायित्व से बच नहीं सकता। उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 के उत्पाद विक्रेताओं के लिए भी उत्पाद दायित्व के प्रावधान जोड़े गए हैं और उसे भी इस कानून के तहत दण्डित किया जा सकता है। खुदरा विक्रेता अक्सर यह तर्क देते हैं कि उन्होंने तो निर्माता से माल खरीद कर बेचा है और इसमें जिम्मेदारी निर्माता की है, उसकी नहीं। जिन मामलों में निर्माता की पहचान नहीं हो, वहां विक्रेता की जिम्मेदारी और भी अधिक बढ़ जाती है। उपभोक्ता को हुए नुकसान व निर्माता की ओर से दी गई किसी गारंटी/वारंटी की पूर्ति न कर पाने पर भी खुदरा विक्रेता को जिम्मेदार ठहराया जा सकता है।

हैल्पलाइन पर करें शिकायत

उपभोक्ता नुकसान के ऐसे मामलों में खुदरा विक्रेता के खिलाफ सक्षम उपभोक्ता आयोग में परिवाद प्रस्तुत कर क्षतिपूर्ति प्राप्त कर सकता है। उपभोक्ता हैल्पलाइन पर भी मामला दर्ज कराया जा सकता है।

सभी सद्गुणों का नाश कर देती है शराब

लगभग आधी आबादी शराब के नशे मे बर्बाद है। शरीर का स्वास्थ्य, मन की शांति और आत्मा की दिव्यता को यह व्यसन धूमिल कर देता है। मनुष्य के सभी सद्गुणों का यह नाश कर देता है। शरीर को अनेक बीमारियों का घर बना देता है। प्रतिष्ठा समाप्त हो जाती है। चरित्र दूषित होता है। विश्वसनीयता समाप्त हो जाती है। पारीवारिक कलह से जीवन को दुखमय बना देता है। आर्थिक स्थिति जर्जर कर देता है। शराबी के घर की महिलाऐं व बच्चे प्रताडना के शिकार होते है। शराब का व्यसन दुर्लभ व सर्वश्रेष्ठ मानव जीवन को पशुवत बना देता है। जब इस शराब पीने की आदत का शिकार शराबी यह समझ लेता है कि वह बुरी आदत से जकड गया है तब तक वह इस आदत का इतना गुलाम हो जाता है कि इससे मुक्ति के प्रति निराश हो जाता है। शराबी कई रोगो का शिकार हो जाता है। पाचन तंत्र बिगड जाता है जो सभी रोगो का कारण है। ह्दय रोग, कैन्सर, रक्तचाप असंतुलन, यकृत रोग, मानसिक रोग, मिरगी, मधुमेह, पक्षाघात, अवसाद, अनिद्रा, शरीरिक कमजोरी, मंदबुद्धि, आदि रोग होते है। शराबी का शरीर जर्जर हो जाता है वह समय पूर्व मृत्यु का वरण करने को विवश होता है। शराब एक महंगा व्यसन है। शराब के दाम खर्च होते है। शराबी होश हवाश मे नही रहता इस कारण अपना रोजगार नही कर पाता है। खर्च अधिक होता है और आय नही होती है। एक बार यह छबि बन जाती है कि अमूक व्यक्ति शराबी है तो कोई उससे सम्पर्क, संव्यवहार ओर सानिध्य नही बनाये रखता है। इस कारण रोजगार मे उन्नति संभव नही है। शासकीय या अशासकीय नौकरी मे इसे दुराचरण माना जाता है तथा कभी भी नौकरी जाने का खतरा बना रहता है। पारीवारिक जीवन कलहयुक्त हो जाता है। शराबी महिलाओ व बच्चो पर अत्याचार करता है। यहां तक कि घरो मे झाडू, पोंचा बर्तन साफ करने वाली महलाएं मजदूरी के पैसे लेकर आती है तो शराबी पति पैसा छिनकर शराब मे खर्च कर देते है । बच्चों के दूध, फल, स्कूल की फीस और काफी किताबो के पैसे शराब मे खर्च कर देते है। शराबी को रोग हो जाते है तो गरीब परिवार अपनी विपन्नता के बाद भी उसका इलाज कराते है।

शराबी की प्रकृति अपराध में लिप्त होने की होती है। जुंआ, सट्टा, हिंसा, व्यभिचार, चोरी, ठगी, तस्करी जैसे अपराधो से ये लोग सरलता से जुड़ जाते है। कई अपराधो की जड शराब का नशा है। वाहन दुर्घटनाओं का एक बडा कारण वाहन चालको का शराबी होना है। शराब के प्रभाव से दुराचरण व अपराध करके जब शराबी जेल यात्रा करते है तो जेलो मे आदतन अपराधियो के सम्पर्क मे आकर ओर अधिक अपराध करने लगते है ओर अपराध की दुनिया से इनका नाता जुड जाता है। आश्चर्य तो यह है कि शराब बेचने के ठेके सरकार खुद देती है। एक तरफ आये दिन जिम्मेदार जनप्रतिनिधि व सरकार मे सत्तासीन नेता शराब के दुष्परिणामों पर भाषण व वक्तव्य देते है और दूसरी तरफ वे ही शराब बेचने की नीति निर्धारण करते है। शराब से सरकार को होने वाली आय इसका आधार बताया जाता है किन्तु इस तथ्य को भूला दिया जाता है कि शराब से जितनी आय सरकार करती है उससे अधिक व्यय सरकार को शराब के कारण होने वाले दुष्परिणामों से निपटने मे करना पडता है।

शराबियों के रोगो का उपचार सरकार को कराना होता है, उनके अपराधो के कारण पुलिस, जेल व पागलखानो पर खर्च सरकार को करना पडता है। शराब बंद कर दे तो अस्पताल, पुलिस, जेल, पागलखानों पर होने वाला व्यय बच सकता है। लाडली बहना के नाम पर राशि देना व शराब के नाम पर ले लेना कैसे तर्कसंगत हो सकता है। वास्तव में शराब के नशे के दुष्परिणामों से सबको अवगत होने की आवश्यकता ताकि इस बुराई को समाप्त करन के लिए सब मिलकर काम कर सके।जिसे यह अनुभव हो जाता है कि शराब का नशा उसकी दुर्दशा कर रहा है और वह इसे त्यागने का मन बना लेता है तो एक संकल्प उसे इस बुराई से मुक्त कर सकता है । आवश्यकता होने पर चिकित्सीय एवं मनोवैज्ञानिक उपचार भी नशा मुक्ति में सहायक हो सकते है । सरकार, धर्म गुरू, शिक्षक, समाजसेवी, माता, पिता, राष्ट्र व समाज के सभी हितचिंतक शराब की बुराई से मुक्ति के लिए अपने अपने कर्तव्य का पालन करेंएयह समय की आवश्यकता है ।

- प्रकाश रातडिया

शेयर बाजार की बारीकियों को समझें, नॉलेज के बाद ही करें निवेश

पवन शर्मा
सीए

अगर ज्यादा पैसा कमाना चाहते हैं तो उसके दो तरीके हो सकते हैं, एक तो अपना व्यवसाय शुरूकरनायादूसराकिसी सफल व्यवसाय में निवेश करना। अगर हम पहला विकल्प अपनाएं तो हमें एक व्यवसाय शुरू करने से पहले प्रारम्भिक पूंजी, नियमित नकदी प्रवाह, व्यवसाय की गहरी समझ, एक अच्छी टीम, उचित इन्फ्रास्ट्रक्चर, रिस्क मैनेजमेंट आदि कई ऐसी बातों का ध्यान रखना पड़ता है। अगर हम दूसरे विकल्प पर विचार करें तो शेयर बाजार की बारीकियों और नॉलेज के साथ हम सही कम्पनियों का चुनाव कर अच्छा निवेश कर सकते हैं।

अहम बिंदु

- नए निवेशक छोटी और बड़ी 10-15 कंपनियों में पैसा लगाएं, ताकि जोखिम कम हो और पोर्टफोलियो का विविधीकरण हो सके।

विश्लेषण अवश्य करें

- **जिस** कम्पनी में आप निवेश करना चाहते है उस कंपनी की वित्तीय स्थिति चैक करें, जैसे बैलेंस शीट, कैश फ्लो।
- **कंपनी** की उत्पादकता और उसके प्रोडक्ट की मांग का विश्लेषण करें।
- **कंपनी** के मालिक और उसकी मैनेजमेंट टीम की योग्यता और अनुभव का विश्लेषण करें।
- **नियमित** निवेश करने की एक योजना बनाएं, जिससे पोर्टफोलियो बढ़ता रहे।
- **निवेश** करने के बाद अपने पोर्टफोलियो पर नजर रखें। जो कंपनी अच्छा रिजल्ट दिखाती है उन्हे अपने पोर्टफोलियो में बनाए रखें वरना दूसरी कंपनी में स्विच करें।
- **उन** खबरों की जानकारी रखें, जिनका प्रभाव आपकी चुनी हुई कम्पनियों पर पड़ता है।
- **बाजार** को और देश विदेश की अर्थव्यवस्था को समझने के लिए नियमित पढ़ने की आदत डालें। 'इंटेलिजेंट इन्वेस्टर', 'वन्स अपऑन द वर्ल्ड स्ट्रीट', 'बीटिंग स्ट्रीट, कॉफी केन पोर्टफोलियो' आदि किताबें आपके लिए फायदेमंद हो सकती हैं।
- **बाजार** के उतार-चढ़ाव की समझ के लिए देश-विदेश के सफल निवेशकों को फॉलो करें, और उनकी गाइडलाइन को समझकर उसे अपने निवेश निर्णयों में लागू करें, ताकि आप निवेश के जोखिम को बेहतर तरीके से मैनेज कर सकें।

निष्कर्ष

शेयर बाजार एक अच्छा तरीका है अपने पैसों को बढ़ाने का। हालांकि इसमें कुछ जोखिम भी हैं इसलिए शेयर बाजार में निवेश करने से पहले अपने फाइनेंशियल गोल्स और रिस्क उठाने की सहनशक्ति को समझना होगा। शेयर बाजार की पूरी जानकारी और अध्ययन से हम रिस्क को कम से कम कर सकते है।

Email: nmh.pawan@gmail.com
Contact: 9407423966, 70664886

ज्ञानोदय विश्वविद्यालय में पांच दिवसीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिताओं का शुभारंभ हुआ

सुवाखेडा । नीमच के प्रतिष्ठित ज्ञानोदय विश्वविद्यालय में आयोजित वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का द्वितीय दिवस क्रिकेटर्स की धुआंधार बैटिंग के नाम रहा । मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित ज्ञानोदय विश्वविद्यालय के वॉइस चांसलर डॉ.प्रशांत शर्मा,रजिस्ट्रार प्रो. हेमंत प्रजापति,बालकवि बैरागी महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.सुरेंद्र शक्तावत के द्वारा क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया आज ओलंपिक के द्वितीय दिवस को तीन क्रिकेट मैचों का आयोजन हुआ जिसमें प्रथम मैच बालकवि बैरागी टीचर एजुकेशन रिसर्च सेंटर, कनावटी की बी टीम का मैच, सुवाखेड़ा स्थित ज्ञानोदय इंस्टीट्यूट आफ फार्मेसी के विद्यार्थियों की टीम से हुआ जिसमें बड़े रोमांचक ढंग से फार्मेसी के विद्यार्थियों ने यह मैच जीता । यूं तो दिसंबर का महीना अपनी जमा देने वाली ठंड के लिए जाना जाता है लेकिन मैच के अंतिम ओवर की सरगमी को पूरे दशकों से खचाखच भरे मैदान में महसूस किया गया।

द्वितीय मैच में बालकवी बैरागी टीचर एजुकेशन रिसर्च सेंटर, कनावटी की ए टीम का मैच,बीके बी कनावटी की टीम से हुआ जिसमें बडा उलट फेर करते हुए, गत वर्ष की विजेता टीम को पछाड़ते हुए बीकेबी कनावटी की टीम ने यह मैच अपने ओपनिंग बेस्टमेन की बेहतरीन नाबाद पारी की बदौलत बड़ी आसानी से अपने नाम किया।

तीसरा एवं अंतिम मैच ज्ञानोदय द कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस फैकल्टी ऑफ़ इंजीनियरिंग की टीम तथा कनावटी स्थित नर्सिंग महाविद्यालय की टीम के बीच खेला गया जिसमें फैकेल्टी आफ इंजीनियरिंग के धुरंधर खिलाड़ियों ने 7 विकेट से यह मैच अपने नाम किया। मैच अंपायर्स की भूमिका प्रो.पंकज श्रीवास्तव,प्रो.रवि चौरसिया प्रो. विजय ओझा श्री सुजीत यादव तथा प्रो.महेश कुमार धनगर ने निभाई एवं कमेंटेटर बॉक्स एवं स्कोरिंग की जिम्मेदारी का निर्वहन खेल अधिकारी श्री महबूब खान, प्रो. सुभाष पाटीदार,प्रो.शोएब मोहम्मद, प्रो पंकज अहीर एवं अर्जुन पंडित ने किया।

जनकल्याण पर्व के तहत विद्यालयों में करियर काउंसिलिंग शिविरों का आयोजन

नीमच । मध्यप्रदेश शासन द्वारा 18 से 28 दिसम्बर 2024 तक जनकल्याण पर्व मनाया जा रहा है। इस अवसर पर हाईस्कूल एवं हायर सेकेण्डरी विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की करियर काउंसिलिंग की जावेगी। राज्य स्तर से प्रशिक्षित करियर काउंसलर तन्मय शर्मा एवं विनोद राठोर 18 से 28 दिसम्बर 2024 तक मध्य कक्षा 10वीं एवं 12वीं के विद्यार्थियों को करियर योजना कौशल आधारित रोजगार के महत्व, उच्च शिक्षा के विकल्प, विदेश में पढ़ाई के लिए आवश्यक प्रक्रिया, प्रतियोगी परीक्षाओं, की तैयारी, छात्र उद्यमिता के बारे में संवाद, उच्च शिक्षा के लिए वित्तीय सहायता के विकल्प, स्थानीय रोजगार के अवसर आदि मार्गदर्शन देंगे।

ए.डी.एम. श्रीमती गामड़ ने की जनसुनवाई 94 आवेदकों की सुनी समस्याएं

नीमच । कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में मंगलवार को अपर कलेक्टर श्रीमती लक्ष्मी गामड़ ने जनसुनवाई करते हुए 94 आवदेकों की समस्याएं सुनी और उनका निराकरण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। इस मौके पर जिला पंचायत सीईओ अरविंद डामोर, एसडीएम डॉ.ममता खेड़े, सभी डिप्टी कलेक्टर एवं जिला अधिकारी उपस्थित थे ।

जनसुनवाई में जावद की गीताबाई, नीमच की मन्नी बी, दाऊखेडी रामपुरा के राहुल गुर्जर, बोरखेडी खुर्द के गोपाल मीणा, कनावटी की दुलिस बाई पारदी, जूना भदाना के मांगीलाल बंजारा, भगवानपुरा नीमच के आशीष बंग, सुरजना के रामसुख, दुलाखेडा की गीताबाई, स्कीम नम्बर 9 नीमच की कमला, बनी के मांगीलाल मेघवाल, रतनगढ़ के भेरूलाल, उत्कृष्ट विद्यालय की छात्रा महक प्रजापति, अरनिया सिंगोली के घीसा दरोगा ने भी ए.डी.एम. को अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए ।

इसी तरह नलखेड़ा के नानालाल, गिरदौड़ा के विनोद कुमार, धनेरियाकलां के प्रेम नायक, सिंगोली के ईमरान खान, अठाना के भगवत सिह, पालसोडा की बींदाकुंवर, रतनकुंवर, राजुकुंवर, नीमच सिटी के रफीक खान, नीलिया के दौलतराम, आक्यापुर बावड़ा की कुशबा, रेवली देवली के शांतिलाल, झालरी के सुरेश, भोलाराम कम्पाउण्ड नीमच के रविकांत, परलई के सरपंच बाबुलाल,पालसोड़ा के सत्यनारायण पाटीदार, डुंगलावदा के विरेंद्र सिह, तोरीराम, नंदुबाई, विक्रम, गिरदौड़ा की शीला, हिंगोरिया के अमरलाल, कुण्डला के गुलाबसिह, कमलेश, संजयनाथ आदि ने भी अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए ।

बर्फीली हवाओं से प्रदेश में कड़ाके की ठंड भोपाल-राजगढ़ समेत 24 जिलों में शीतलहर

भोपाल। उत्तर भारत की तरफ से लगातार आ रही बर्फीली हवाओं से प्रदेश कड़ाके की ठंड की चपेट में है। सोमवार को प्रदेश में सबसे कम 1.9 डिग्री तापमान पचमढ़ी में दर्ज किया गया। 10 शहरों में शीतलहर और दो शहरों में तीव्र शीतलहर रही। छह शहरों में रात का पारा पांच डिग्री से कम रहा। दो दिन बाद हवा का रुख परिवर्तन होने से कड़ाके की ठंड से कुछ राहत मिल सकती है।

इन जिलों में शीत लहर का प्रभाव - मौसम विज्ञान केंद्र से मिली जानकारी के मुताबिक, पचमढ़ी, भोपाल, राजगढ़, खजुराहो, मंडला एवं उमरिया में रात का तापमान पांच डिग्री से कम रहा। भोपाल एवं सीहोर में तीव्र शीतलहर रही। राजगढ़, खंडवा, बड़वानी, पचमढ़ी, शाजापुर, उमरिया, शहडोल, जबलपुर, मंडला एवं सिवनी में शीत लहर का प्रभाव रहा।

ये मौसम प्रणालियां हैं सक्रिय - वर्तमान में उत्तर-पश्चिम भारत के ऊपर जेट स्ट्रीम (12.6 किलोमीटर की ऊंचाई पर पश्चिम से पूर्व की तरफ 240 किमी. प्रति घंटा की रफ्तार से हवाओं का चलना) बना हुआ है। अंडमान में एक कम दबाव का क्षेत्र बना है। अरब सागर में हवा के ऊपरी भाग में चक्रवात है।

पाकिस्तान और उसके आसपास एक पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय है। पाकिस्तान और उससे लगे जम्मू पर भी हवा के ऊपरी भाग में चक्रवात बना हुआ है। पूर्वी राजस्थान और उत्तर-पश्चिम मध्य प्रदेश पर पर एक प्रति चक्रवात बना हुआ है।

मध्य प्रदेश में ठंड - मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ मौसम विज्ञानी वेद प्रकाश सिंह के मुताबिक, अभी दो दिन तक उत्तरी हवाओं का प्रवाह बना रहने से ठंड के तेवर तीखे बने रह सकते हैं। उसके बाद हवाओं का रुख पूर्वी होने से ठंड से कुछ राहत मिलने के आसार हैं। पूर्व वरिष्ठ मौसम विज्ञानी अजय शुक्ला ने बताया कि उत्तर भारत के पहाड़ी क्षेत्रों में तापमान काफी कम है। वहीं से लगातार आ रही सर्द हवाओं के कारण मध्य प्रदेश में ठंड के तेवर तीखे बने हुए हैं। अभी दो दिन तक कड़ाके की ठंड से राहत मिलने की उम्मीद कम है।

वहीं राजस्थान के सीकर जिले में स्थित फतेहपुर में न्यूनतम तापमान माइनस 0.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। फतेहपुर में लगातार चौथे दिन न्यूनतम तापमान शून्य से नीचे दर्ज किया गया। इसके अलावा चूरू में 1.5 डिग्री सेल्सियस, सीकर में 2.5 डिग्री और पिलानी में 2.7 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया।

मप्र में बनेंगे 10 लाख आवास, इन लोगों को मिलेगा योजना का लाभ

भोपाल । नगरीय विकास एवं आवास विभाग प्रदेश में प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 के तहत 10 लाख आवास बनाएगा। इस योजना का लाभ उन हितग्राहियों को दिया जाएगा, जिन्हें किसी कारण से अब तक आवास योजना का लाभ प्राप्त नहीं हुआ है। नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने मैदानी अमले को योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए हैं।

विशेष वर्गों को प्राथमिकता - प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 में विशेष वर्गों को प्राथमिकता देने का निर्णय लिया गया है। इनमें पीएम स्वनिधि योजना, भवन निर्माण श्रमिक, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, पीएम विश्वकर्मा योजना के कारीगर, सफाई कर्मी और झुग्गी बस्ती में रहने वाले परिवार शामिल है।

पहले चरण में 8 लाख 25 हजार घर बने - प्रदेश में प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी में अब तक आठ लाख 25 हजार जरूरतमंद हितग्राहियों के आवास निर्माण पूरे किए जा चुके हैं। प्रदेश में प्रधानमंत्री आवास योजना के पहले चरण में नौ लाख 45 हजार आवास स्वीकृत किए गए थे। स्वीकृत आवासों के निर्माण कि लिए केंद्रांश और राज्यांश की अनुदान राशि 19 हजार 700 करोड़ रुपये एवं क्रेडिट लिंक सब्सिडी स्कीम (सीएलएसएस) घटक के लिए ब्याज अनुदान के रूप में तीन हजार 900 करोड़ रुपये, इस प्रकार कुल राशि 23 हजार 600 करोड़ रुपये स्वीकृत की जा चुकी है। हितग्राहियों को अब तक 22 हजार 800 करोड़ रुपये की राशि जारी की जा चुकी है।

सरकार जरा सुध लो भ्रष्टाचार से परेशान शख्स लोटते हुए जनसुनवाई में पहुंचा, कलेक्टर ऑफिस में सब देखते रहे तमाशा

मंदसौर। कलेक्टर कार्यालय में जनसुनवाई में मल्हारगढ़ के ज्ञानेश प्रजापति लोटते हुए अपनी समस्या सुनाने पहुंचे। कलेक्टर कार्यालय में मौजूद अधिकारी व कर्मचारियों ने भी उन्हें नहीं उठाया। वे लोटते हुए जनसुनवाई कक्ष तक पहुंचे। इस दौरान उन्होंने मल्हारगढ़ नगर परिषद सीएमओ पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाता रहा। मल्हारगढ़ के वार्ड 6 के निवासी ज्ञानेश प्रजापति मंगलवार सुबह लगभग 11:30 बजे कलेक्टर कार्यालय में गेट से लोटते हुए जनसुनवाई कक्ष तक पहुंचे। इस दौरान वहां मौजूद अधिकारी और कर्मचारी भी देखते रहे।

आवेदन देकर जांच की मांग - ज्ञानेश प्रजापति ने कलेक्टर के नाम आवेदन भी दिया है। इसमें नगर परिषद मल्हारगढ़ में चल रहे निर्माण कार्यों में हो रहे भ्रष्टाचार की जांच की मांग की गई।

शिकायत में कहा गया कि वार्ड 12 में नाला निर्माण में भ्रष्टाचार, वार्ड क्र 4 कायाकल्प योजना का सीसी निर्माण में भ्रष्टाचार, वार्ड 5 आंबेडकर मांगलिक भवन के ऊपर डोम निर्माण की जांच की जाए।

नगर परिषद मल्हारगढ़ में वार्ड 12 नाला निर्माण में भारी भ्रष्टाचार हुआ है। इसमें 8 एमएम का सरिया लगाया गया है। घटिया निर्माण के कारण जगह-जगह से नाला टूटने लगा है। आगे जाकर नाला एक छोटी सी नाली में तब्दील कर दिया गया। इस नाले के अंदर छोटी-छोटी नालियां बनाई गई। नाले का नीचे का फर्श पूरी तरह तड़क गया है। इसमें हो रही बड़ी बड़ी दरारें घटिया निर्माण की कहानी बयां कर रही है।

ऊपर से नीचे तक भ्रष्टाचार का आरोप - आरोप है कि नगर परिषद के इंजीनियर भी भ्रष्टाचार में शामिल है, जिन्होंने जांच के नाम पर गलत रिपोर्ट बना दी। ठेकेदार और इंजीनियर का कहना है कि कमीशन नगर पंचायत से लेकर जिला अधिकारियों तक बंटता है। कमीशन के चक्कर में इन निर्माण कार्य की विधिवत जांच नहीं हो रही। आवेदन में लिखा गया है कि शहरी विकास अभिकरण के जिला परियोजना अधिकारी भी इसमें शामिल हैं।

कलेक्टर ने 20 अगस्त 2024 को नाला निर्माण के संबंध में सीएमओ और इंजीनियर को रिकॉर्ड लेकर बुलाया था, लेकिन उसके बाद आगे की कोई कार्रवाई नहीं हो पाई है।

फरियादी का कहना है कि अगर टेस्ट रिपोर्ट सही है, तो नाला जगह-जगह से टूटने व तड़कने क्यों लगा है? बिल में सरिया 12 एमएम का पास किया गया है। पूरे मामले की जांच होना चाहिए।

सब जूनियर अंडर 14 राष्ट्रीय स्तर बास्केटबॉल प्रतियोगिता में एडीफाई शिशुवन स्कूल के छात्र का चयन

मंदसौर। एडीफाई शिशुवन स्कूल, मंदसौर के कक्षा नवीं में अध्ययनरत छात्र युवराज सिंह भादोरिया ने मध्य प्रदेश बास्केटबॉल एसोसिएशन द्वारा आयोजित सब जूनियर अंडर 14 राष्ट्रीय शिविर (बास्केटबॉल) प्रतियोगिता में चयनित होकर विद्यालय को गौरवान्वित किया, वे अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर राष्ट्रीय स्तर के शिविर के लिए चयनित हुए हैं। यह प्रतिष्ठित शिविर इंदौर में आयोजित हुआ जो दिनांक से 11/12/2024 से 15/12/2024 तक चला विद्यालय के छात्र युवराज ने इसमें सहभागिता की। विद्यालय के प्राचार्य, डॉ. आदित्य कुमार के साथ पूरे विद्यालय परिवार ने छात्र को हृदय से बधाई दी और उनके उज्ज्वल एवं सफल भविष्य की मंगल कामना की। यह जानकारी स्कूल के खेल प्रशिक्षक, श्री अंकुर त्रिपाठी द्वारा साझा की गई ।

आयुष विभाग द्वारा एक वर्ष में 1.34 लाख से अधिक रोगी लाभांवित

नीमच । नीमच जिले में आयुष विभाग द्वारा गत एक वर्ष में कुल एक लाख 34 हजार 76 रोगियों का आयुर्वेद, होम्योपैथी एवं यूनानी पद्धति से उपचार किया गया है। इसमें 69 हजार 344 पुरूष एवं 64 हजार 732 महिला मरीज शामिल है। जिला आयुष अधिकारी डॉ. आशीष बोरना ने बताया, कि आयुष विभाग द्वारा एक जनवरी 2024 से 30 नवम्बर 2024 तक की अवधि में जिले के आयुर्वेदिक औषधालय में कुल 1,15,969 रोगियों को आयुर्वेदिक पद्धति से उपचार सुविधा उपलब्ध करवाई गई है। इसमें 61 हजार 126 पुरूष एवं 54 हजार 843 रोगी शामिल है। साथ ही होम्योपैथी पद्धति से 12,451 मरीजों का उपचार किया गया। इसमें 6523 पुरूष एवं 5928 महिलाएं शामिल है। यूनानी पद्धति से 5656 रोगियों का उपचार किया गया।

इसमें 1695 पुरूष एवं 3961 महिला रोगी शामिल है। आयुष विभाग द्वारा सुपोषण कार्यक्रम के द्वारा 65 आंगनवाड़ी केंद्रों में चिकित्सा शिविर आयोजित कर 1434 बच्चों, 581 माताओं, 592 किशोरी बालिकाओं का स्वास्थ्य परीक्षण कर निःशुल्क औषधियां वितरित की गई है।

आज ही बुक करें अपना Zelo इलेक्ट्रिक स्कूटर, घर ले जाए
मात्र रु ~~45990/-~~ रु 42000/-
में वो भी 1 साल की बैटरी वारंटी के साथ
मात्र रु 42000/- से इलेक्ट्रिक स्कूटर की रेंज से शुरु ...

RTO मॉडल मात्र
रु ~~81000/-~~ रु 76000/-*
(माइलेज 80-100 कि.मी.) 3 साल बैटरी की वारंटी के साथ, आज ही बुक करवाए और पाए एक सोने का सिक्का।

Zelo Electric Scooter

बंगला नं. 23, IDBI बैंक के सामने,
Lic रोड़, नीमच (म.प्र.)
मो. 940742399, 8770664866

फर्जी यूनिवर्सिटीज को लेकर सांसद गुप्ता ने लोकसभा में उठाया प्रश्न

देश में 21 फर्जी विश्वविद्यालयों को किया चिन्हित, राज्य सरकारें करे कार्रवाई - केन्द्रीय राज्य शिक्षा मंत्री सुकांत मजूमदार

जागरूकता भी फैलाएं, ताकि बच्चों को भविष्य ना हो खराब

मंदसौर 17 दिसम्बर (निप्र)। सोमवार को संसद में सांसद सुधीर गुप्ता के सवाल पर केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री सुकांत मजूमदार ने चौकाने वाला खुलासा किया। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि देश में 21 ऐसे संस्थान है, जिन्हें विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने अपनी फर्जी यूनिवर्सिटीज़ की लिस्ट में डाला है। इतना ही नहीं केंद्रीय मंत्री ने संसद सदस्यों से आग्रह किया कि वे देशभर में चल रहे 21 फर्जी विश्वविद्यालयों के बारे में जागरूकता फैलाने और छात्रों को संस्थानों में प्रवेश लेने के प्रति आगाह करने के मकसद से इनकी सूची सोशल मीडिया मंचों पर प्रकाशित-प्रसारित करें।

सांसद सुधीर गुप्ता ने लोकसभा में गंभीर विषय फर्जी विश्वविद्यालयों को लेकर प्रश्न किया। सांसद गुप्ता ने कहा कि फर्जी विश्व विद्यालयों के चक्कर में देश के लाखों बच्चों का भविष्य बर्बाद हो रहा है। ऐसे में सरकार ने देश में फर्जी विश्वविद्यालयों को लेकर अब तक क्या कार्रवाई की है। सरकार ने राज्य सरकारों को इन विद्यालयों के लिए कोई ठोस कदम उठाने के लिए कहा है और राज्य सरकारों द्वारा इन पर अभी तक क्या प्रतिक्रिया दी गई है।

प्रश्नों का उत्तर देते हुए केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री सुकांत मजूमदार ने कहा कि केंद्र सरकार ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों से इन संस्थानों को बंद करने के लिए कानूनी कार्रवाई करने का अनुरोध किया है। मजूमदार ने कहा, मैं संसद सदस्यों से, जो सोशल मीडिया पर भी सक्रिय हैं और छात्रों के बीच लोकप्रिय हैं, अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर फर्जी विश्वविद्यालयों की सूची को प्रचारित करने की अपील करता हूं। इस तरह के प्रयासों से छात्रों को इस तरह के फर्जी दावों का शिकार होने से रोका जा सकेगा।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकारों से खुद को विश्वविद्यालयष् के रूप में गलत तरीके से प्रस्तुत करने, डिग्री प्रदान करने और अपने नाम के साथ विश्वविद्यालय शब्द का उपयोग करके छात्रों को धोखा देने और धोखा

देने में शामिल लोगों के खिलाफ उचित कार्रवाई करने के लिए भी कहा गया है। मजूमदार ने कहा, अगर हम सीधी कार्रवाई करेंगे तो संघवाद पर सवाल उठेंगे। मंत्री ने कहा कि 2014 से 2024 के बीच 12 फर्जी विश्वविद्यालय बंद किये गये। मंत्री ने कहा, केंद्र सरकार/यूजीसी (विश्वविद्यालय अनुदान आयोग) को सूचित करने का भी अनुरोध किया गया था कि क्या उनके राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में अन्य फर्जी विश्वविद्यालय चल रहे हैं जो यूजीसी की फर्जी विश्वविद्यालयों की सूची में शामिल नहीं हैं। उन्होंने कहा कि कई स्वयंभू संस्थानों/विश्वविद्यालयों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गईं और अमान्य डिग्री प्रदान करने वाले अनधिकृत संस्थानों को कारण बताओ/चेतावनी नोटिस जारी किए गए।

ये रहे 21 फेक यूनिवर्सिटीज के नाम - दिल्ली के ऑल इंडिया इंस्टिट्यूट ऑफ पब्लिक एंड फिजिकल हेल्थ साइंस, कॉमर्शियल यूनिवर्सिटी, दरियागंज, यूनाइटेड नेशन यूनिवर्सिटी, वोकेशनल यूनिवर्सिटी, एडीआर-सेंट्रिक ज्यूडिशल यूनिवर्सिटी, इंडियन इंस्टिट्यूशन ऑफ साइंस एंड इंजीनियरिंग, विश्वकर्मा ओपेन यूनिवर्सिटी फॉर सेल्फ-एंप्लॉयमेंट, अध्यात्मिक विश्वविद्यालय (स्प्रिचुअल यूनिवर्सिटी)। उत्तर प्रदेश के गांधी हिंदी विद्यापीठ, महामाया टेक्निकल यूनिवर्सिटी, नेताजी सुभाष चंद्र बोस यूनिवर्सिटी (ओपेन यूनिवर्सिटी), भारतीय शिक्षा परिषद । आंध्र प्रदेश के क्राइस्ट न्यू टेस्टामेंट डीम्ड यूनिवर्सिटी, इंस्टिट्यूट ऑफ अल्टर्नेटिव मेडिसीन एंड रिसर्च । केरल के इंटरनेशनल इस्लामिक यूनिवर्सिटी ऑप प्रोफेटिक मेडिसिन, सेंट जॉन्स यूनिवर्सिटी । कर्नाटक में बड़ागांवी सरकार वर्ल्ड ओपेन यूनिवर्सिटी एजुकेशन सोसाइटी । महाराष्ट्र में राजा अरबिक यूनिवर्सिटी । पुंडुचेरी में श्री बोद्धी एकेडमी ऑफ हायर एजुकेशन । पश्चिम बंगाल के इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ अल्टरनेटिव मेडिसिन, इंस्टिट्यूट ऑफ अल्टरनेटिव मेडिसिन एंड रिसर्च ।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक एवं मुद्रक ऐश्वर्य शर्मा के लिए माँ भगवती प्रिन्टर्स बंगला नं. 23, आईडीबीआई बैंक के सामने, नीमच, जिला-नीमच, मध्यप्रदेश से मुदित एवं प्रकाशित। सम्पर्क: 9407423966। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नीमच होगा।